रायपुर, वर्ष-18, अंक- 7, जुलाई 2022, मूल्य ₹ 10

दीप कमल

भिलाई में भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

दीप कमल

संपादक
सुभाष राव

कार्यकारी संपादक
पंकज कुमार झा

मुद्रक एवं प्रकाशक विष्णुदेव साय द्वारा, भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़, के लिए मूणत ऑफसेट प्रिंटर्स रायपुर से मुद्रित एवं एकात्म परिसर, रजबंधा मैदान, रायपुर से प्रकाशित।

स्वत्वाधिकारी
भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

ई-मेल
jay7feb@gmail.com

फोन
0771-2233500, 4266000

सोशल मीडिया से

President of India @ra... · 8h
मेरा जन्म तो उस जनजातीय परंपरा में हुआ है जिसने हजारों वर्षों से प्रकृति के साथ ताल-मेल बनाकर जीवन को आगे बढ़ाया है।

मैंने जंगल और जलाशयों के महत्व को अपने जीवन में महसूस किया है।

हम प्रकृति से जरूरी संसाधन लेते हैं और उतनी ही श्रद्धा से प्रकृति की सेवा भी करते हैं।

279 2,480 13.3K

Narendra Modi @nare... · 3d
Overjoyed by the enthusiastic response towards #HarGharTiranga movement.

MyGovIndia @my... · 3d
"विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा" 🇮🇳

आजादी का अमृत महोत्सव का जश्न मनाने एवं राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिये आइये 13 से 15 अगस्त तक #HarGharTiranga अभियान में शामिल हों, और इसे सफल बनायें। #IndiaAt75
harghartiranga.com

Dr Raman Singh @drr... · 8m
आज गौरव और उत्साह का दिन है!

जनजातीय गौरव श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने भारत गणराज्य के 15वें राष्ट्रपति पद की शपथ ली। मुर्मू जी देश के सर्वोच्च पद को सुशोभित करेंगी, उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं। मुर्मू जी भारत में आए सामाजिक बदलाव का एक नया अध्याय लिखेंगी।
@rashtrapatibhvn

Vishnu Deo Sai @vish... · 3h
भारत के 15वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने पर श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को हार्दिक बधाई। सार्वजनिक जीवन में आपका विराट एवं कुशल अनुभव आत्मनिर्भर भारत के उत्थान में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

3 24 42

Vishnu Deo Sai @vish... · 3h
मुझे विश्वास है कि आपका कार्यकाल देश के गौरव को नई ऊंचाइयों पर ले जायेगा। जनजातीय समाज की महिला का भारत गणराज्य के राष्ट्रपति पद की शपथ लेना जनजातीय समाज के सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर है। आज का दिन स्वतंत्र भारत के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में नई शुरुआत है।

अंदर के पन्नों में

नये भारत की भावना की अभिव्यक्ति... 06
परिश्रम की पराकाष्ठा ... 10
अगला दशक भारत का 13
गत आठ वर्षों में अविश्वसनीय उपलब्धियां... 15
आज का भारत तुष्टीकरण के कालखंड से आगे... 17
प्रदेश में महिलाओं को छलने वाली कांग्रेस सरकार 19
जांजगीर के निर्भया कांड के विरोध में महिला मोर्चा... 21
जीएसटी पर कांग्रेस का दोहरा रवैया... 24
छत्तीसगढ़ में लगातार निर्भया कांड... 26
समाचार कमल ... 30

स्वागत महामहिम...

शर्म आ रही है यह लिखते हुए कि जहां समूचे देश में अपार बहुमत से आदिवासी राष्ट्रपति ने जीत कर हमारा भाल ऊपर किया है, वहां उन्हें उस राज्य में पराजय का सामना करना पड़ा जिसकी पहचान ही आदिवासी समाज को लेकर है।

भारतीय जनता पार्टी नीत अटल जी की सरकार ने छत्तीसगढ़ (और झारखंड का भी) का निर्माण ही आदिवासी बहुलता के कारण किया था। इससे पहले आदिवासी इलाक़ों का अर्थ होता था गरीबी और पिछड़ापन, शोषण की इंतिहा। यहां तक कि नक्सलियों ने अपने कारोबार के लिए जिन कारणों को बहाना बनाया, वे भी इन्हीं शोषणों से उपजे थे। ज़ाहिर है ये तमाम शोषण कांग्रेस की देश-प्रदेश में लम्बे समय तक रहने वाली सरकारों के कारण था। देश में जहां भी आदिवासियों के साथ लूट और अनाचार का मामला हुआ, उसके मूल में कांग्रेस और उसकी सामंती मानसिकता रही। छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण का भी कांग्रेसियों ने न केवल विरोध किया था, बल्कि लगातार इसकी राह में रोड़े भी अटकाए। इसके उलट भाजपा की सरकारों ने लगातार देश भर के जनजाति समाज को मुख्यधारा में लाने की सतत कोशिश की। अटल जी ने अलग से जनजाति विभाग का गठन किया, एस सी और एसटी आयोग को अलग किया। राज्य तो खैर दो बनाए ही आदिवासी बहुलता के कारण, इसके अलावा छत्तीसगढ़ में 15 वर्ष रही भाजपा की सरकार ने ऐसे ऐतिहासिक और महान कार्य किए कि विभिन्न चुनौतियों के लिए जाने जाते छत्तीसगढ़ ने अंततः स्वयं को अवसरों के प्रदेश, समृद्धि और विकास के प्रदेश के रूप में स्थान बना लिया। दुनिया भर में इस आदिवासी प्रदेश की चर्चा उन्नति और ख़ुशहाली के प्रदेश के रूप में होने लगी थी।

दुर्भाग्य से इस प्रदेश के विकास पर ग्रहण लगा और 2018 में कांग्रेस सत्ता में आ गयी। उसके बाद फिर से इस दल का ग़ांव-गरीब-किसान, आदिवासी विरोधी रवैया सामने आने लगा। देश भर से ठुकरायी जा रही पार्टी का छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में सत्ता में आ जाना प्रदेश के लिए किसी त्रासदी की तरह ही रहा, जिसे फ़िलहाल यह प्रदेश भोगने को अभिशप्त है। दस जनपथ के संदिग्ध एजेंडे को लेकर चलने वाली कांग्रेस सरकार ने अपनी प्रकृति के अनुरूप ठीक उसके उलट किया जैसा उसने कहा था। उसने ओबीसी के हित की बात की, और उसके ख़िलाफ़ कोर्ट में अपना आदमी खड़ा कर आरक्षण की लड़ाई हारने का काम किया, मुक़दमा करने वालों को पुरस्कृत किया। इसने किसानों की बात की और रेत-मुरूम को वर्मी कम्पोस्ट कह कर बेचने का काम शुरू कर दिया, उसने स्थानीयता की बात की और देश भर के छंटे कांग्रेसियों को यहां के आदिवासियों के हक पर डाका डालते हुए राज्यसभा भेजना शुरू किया। ऐसा करते हुए उसने उस भाजपा पर भी हमला जारी रखा जिसने न केवल इनके घर के पते पर 'छत्तीसगढ़' लिखवाया बल्कि पचासों वर्ष अवसर मिलने के बाद जिस छत्तीसगढ़ी भाषा के लिए कुछ नहीं किया था, उसे मातृभाषा को भाजपा ने राजभाषा के पद पर भी सुशोभित किया था। फिर भी उल्टे चोर कोतवाल को डांटे की तर्ज़ पर कांग्रेस की कथनी और करनी का अंतर लगातार बेशर्मी के इनके खुद के मापदंडों को ही पार करता रहा।

इन सभी कुनीतियों से भी बड़ा पाप कांग्रेस ने महान भारत गणराज्य के पद पर आसीन होने वाली श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का विरोध कर किया है। इतिहास हमेशा इसे न केवल याद रखेगा बल्कि पानी पी पी कर कांग्रेस को कोसेगा कि स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव की बेला में जब पहली बार आदिवासी समाज की मातृशक्ति, आदिशक्ति को रायसीना पर अधिष्ठित होने का अवसर आया, तब भी 75 वर्ष तक आदिवासियों के शोषण का इतिहास रखने वाली कांग्रेस ने जी-जान से ऐसे राष्ट्रपति का विरोध किया। वह भी तब जबकि प्रदेश के आदिवासियों के लिए सुरक्षित लगभग सभी सीटों पर जनता ने कांग्रेस को जिताया था। इस समर्थन का बदला इस रूप में देने का दुश्चरित्र निश्चय ही केवल कांग्रेस ही दिखा सकती है।

आम जन के लिए यह समझना वास्तव में असंभव रहेगा कि श्रीमती द्रौपदी के हार जाने से आख़िर सोनिया

गांधी जी का कौन सा हित सधता? आख़िर राहुल गांधी के विदेश यात्रा के किस खर्च को रोक देंगी नयी राष्ट्रपति, जिसकी आशंका में इसने आदिवासी समाज को मिले अगाध समर्थन की भी परवाह नहीं की। प्रदेश के महान आदिवासी समाज ने एक कथानक की तरह देश भर में डूब रही कांग्रेस को बचाने के लिए 'संत' की भूमिका निभायी, और बदले में अपनी प्रकृति के अनुरूप कांग्रेस ने बिच्छू जैसा दंश ही दिया हर बार समाज को दिया। यही कांग्रेस की प्रकृति हमेशा रही है। शर्म आ रही है यह लिखते हुए कि जहां समूचे देश में अपार बहुमत से आदिवासी राष्ट्रपति ने जीत कर हमारा भाल ऊपर किया है, वहां उन्हें उस राज्य में पराजय का सामना करना पड़ा जिसकी पहचान ही आदिवासी समाज को लेकर है। निश्चय ही समाज और नियति कांग्रेस के इस अपराध का समुचित प्रतिकार करेगी ही। फ़िलहाल तो हर कांग्रेसी दंश को भुला कर यह समय विश्व के सबसे बड़े और महान गणराज्य में उत्सव मनाने का है। वास्तव में हमारे पुरखों ने जिस भारत का स्वप्न देखा था, अब जा कर वह सच्चे अर्थों में साकार हो पाया है।

पवित्र श्रावण मास में जब हम सब बाबा भोले शंकर की उपासना में लीन हैं, तब से आने वाली हमारी आदरणीय बहन श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी राष्ट्रपति के पद पर आसीन हुई हैं। इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए न केवल जनजाति समाज, महिला समाज बल्कि समूचे छत्तीसगढ़ की ओर से भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी का अशेष आभार। वास्तव में यह भारतीय जनता पार्टी ही है, जहां यह अवसर है कि ग्रामीण, जनजाति, दलित हर पृष्ठभूमि से आकर लोग अपनी मेहनत और लगन से बड़े से बड़े दायित्व को धारण कर सकते हैं। श्री रामनाथ कोविंद के रूप में जहां हमें दलित समाज से आने वाले पहले राष्ट्रपति मिले थे, वहीं अब यह फिर एक बड़े सौभाग्य का विषय है कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार जनजाति समाज से आने वाली श्रीमती मुर्मू जी अब राष्ट्रपति के पद को सुशोभित करेंगी। वास्तव में यह गौरव भारतीय लोकतंत्र को ही है कि उसने आज़ादी के अमृत महोत्सव वर्ष में इस तरह स्वयं के होने का मतलब साबित किया है।

भारतीय गणराज्य के राष्ट्रपति पद को सम्मानित करने वाली श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का माता कौशल्या की पुनीत भूमि से, भांजे श्रीराम के ननिहाल से, शहीद गुंडाधुर, शहीद वीर नारायण सिंह की धरती से हार्दिक अभिनंदन स्वागत। मां दंतेश्वरी, मां बमलेश्वरी, महामाया माई, की इस पुनीत भूमि से, दंडक वन का यह प्रदेश जहां श्री राम ने अपने वनवास का लगभग सारा समय गुज़ारा, वहां की सदानीरा महानदी, इंद्रावती, अरपा-पैरी नदी की इस भूमि से भावी राष्ट्रपति जी का अभिनंदन। महामहिम का उस पवित्र माटी से अभिनंदन जहां सभ्यता ने सबसे पहले आकार लिया था। जहां सरगुज़ा के रामगढ़ की पहाड़ियों ने सबसे पहले रंगमंच का आनंद लिया था। जहां महाकवि कालीदास को अपनी कालजयी कृति रचने का अवसर मिला। संत गाहिरा गुरु, गुरु घासीदास की पवित्र भूमि से, महान भक्त शबरी माई की तपोभूमि से, ऋषि वाल्मीकि की इस रचना भूमि से श्रीमती मुर्मू जी का अशेष अभिनंदन कर हर छत्तीसगढ़िया भाव विह्वल है।

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने जिन कठिनतम परिस्थितियों में यहां तक का सफ़र तय किया है, वास्तव में वह आने वाली तमाम पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होगा। ओड़िशा से आने वाली श्रीमती मुर्मू हमारी पड़ोसी भी हैं। छत्तीसगढ़ और ओड़िशा अनेक मामलों में पूरी तरह एक जैसा ही है। हम दोनों ही महानदी का पानी पीते हैं। इसी नदी की गोद में बस्तर भी हमारा पला बढ़ा है, और ओड़िशा का भी एक बड़ा हिस्सा इसी पुण्य सलिला चित्रोत्पला की कल-कल बहती धारा से अपनी प्यास बुझाता है। दोनों प्रदेश आदिवासियों की बहुलता वाला है। दोनों प्रदेश की वन्य और खनिज सम्पदा, उर्वरा शस्य श्यामला धरती, पहाड़, पर्वत-श्रृंखलायें सबकुछ हमारा साझा है। हमारी संस्कृति, आचार-व्यवहार, रहन-सहन, पर्व-त्यौहार सभी कुछ काफ़ी हद तक तक एक जैसा है। निश्चित ही ऐसे में हमारी समस्याएं और सरोकार भी लगभग एक जैसी ही हैं, जिसे विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए और हमेशा प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते हुए, जन सेवा और लोक सरोकारों की राजनीति करते हुए श्रीमती मुर्मू ने क़रीब से देखा है। इस तरह हमारी साझी विरासत से निकल कर, संघर्षों में तप कर कुंदन बन, निखर कर निकली श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होकर निश्चय ही हम सबके जन-जीवन से जुड़े विषयों को भी संवेदनशीलता के साथ महसूस करेंगी।

इस सर्वोच्च पद पर चयनित होकर महामहिम सच्चे अर्थों में देश के अंतिम पीढ़ी के सबसे अंतिम व्यक्ति की चिंता कर हमारे मनीषी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय के स्वप्न को सच्चे अर्थों में साकार करेंगी। इसे ऐसा भी कह सकते हैं कि नयी महामहिम हमारे पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अन्त्योदय के स्वप्न का साकार स्वरूप ही हैं। रायसीना की पहाड़ी पर आसीन होने जा रही श्रीमती मुर्मू को अंतर्मन से अशेष शुभकामना और अगाध बधाई। प्रसन्नचित्त होकर, प्रफुल्लित होकर छत्तीसगढ़ भाजपा की तरफ़ से श्रीमती मुर्मू जी को पूर्ण समर्थन, स्वागत और पुनः अशेष अभिनंदन...

●●●

प्रतिक्रिया कृपया इस आईडी पर दें-

jay7feb@gmail.com

नये भारत की भावना की अभिव्यक्ति...

जगत प्रकाश नड्डा

राजग सरकारों द्वारा अभी तक बनाए गए दो राष्ट्रपतियों डा. एपीजे अब्दुल कलाम और रामनाथ कोविंद ने देश को प्रेरणादायक और परिपक्व नेतृत्व प्रदान किया। उनके नेतृत्व ने विश्वपटल पर भारत को एक नए रूप में स्थापित किया।

राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू जी को मिली प्रतिक्रिया अभिभूत करने वाली है। इस वर्ष जब भारत आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है तब उनकी उम्मीदवारी ने प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित किया है। विपरीत परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए इस मुकाम तक पहुंचने का उनका सफर प्रेरणा का असीम स्रोत है। उनका चयन महिला सशक्तीकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। मातृशक्ति उनसे अनन्य जुड़ाव महसूस करेगी। आजादी के बाद जन्म लेने वालीं वह पहली राष्ट्रपति होंगी। उनकी उम्मीदवारी कई अन्य कारणों से भी खास है। दशकों से वंशवाद के वशीभूत रही व्यवस्था में उनका अभ्युदय सार्वजनिक जीवन में एक ताजा हवा के झोंके जैसा है। यह जनतांत्रिक व्यवस्था में जन की आस्था को और प्रगाढ़ करने वाला है।

ओडिशा के सुदूरवर्ती आदिवासी क्षेत्र रायरंगपुर में उन्होंने शिक्षक के रूप में अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की। फिर सिंचाई विभाग से जुड़ीं। उनका राजनीतिक सफर भी जमीनी स्तर से आरंभ हुआ। उन्होंने 1997 में निकाय चुनाव लड़ा और रायरंगपुर नगर पंचायत में पार्षद बनीं। तीन साल बाद वह रायरंगपुर से विधायक बनीं। उन्हें 2007 में ओडिशा विधानसभा द्वारा 147 विधायकों में से सर्वश्रेष्ठ विधायक के लिए नीलकंठ पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। यह विधायक के रूप में उनकी भूमिका और योगदान को दर्शाता है। मंत्री के रूप में उन्होंने वाणिज्य, परिवहन, मत्स्य पालन और पशु संसाधन विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों में अपनी छाप छोड़ी। उनका कार्यकाल विकासोन्मुखी, निष्कलंक और भ्रष्टाचार मुक्त रहा। 2015 में वह वह झारखंड की पहली महिला राज्यपाल बनीं। उन्होंने राजभवन को जन आकांक्षाओं का जीवंत केंद्र बनाया और राज्य के विकास के लिए तत्कालीन सरकार के साथ मिलकर शानदार काम किया।

समय-समय पर अपूरणीय व्यक्तिगत त्रासदियों ने जनसेवा के उनके संकल्प को बाधित करने की चेष्टा तो की, लेकिन दुखों के पहाड़ को झेलते हुए भी उन्होंने सार्वजनिक जीवन में आदर्श के उच्चतम मानदंडों को स्थापित किया। उन्होंने अपने पति और बच्चों को खो दिया, लेकिन दुख के इन झंझावातों ने उन्हें और अधिक मेहनत करने और दूसरों के जीवन में दुख को कम करने के लिए प्रेरित किया। उनके साथ काम करने वाले उन्हें विनम्रता की प्रतिमूर्ति बताते हैं। जमीन से जुड़ाव और दयालुता उनकी सबसे बड़ी शक्ति है।

मुर्मू जी का निर्वाचन 'नए भारत' की भावना को अभिव्यक्त करती है। विगत आठ वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में जमीनी स्तर पर लोगों को सशक्त बनाने और दशकों से सत्ता पर काबिज कुछ लोगों के एकाधिकार को तोड़ने का हरसंभव प्रयास किया गया है।

मुर्मू जी का निर्वाचन 'नए भारत' की भावना को अभिव्यक्त करती है। विगत आठ वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में जमीनी स्तर पर लोगों को सशक्त बनाने और दशकों से सत्ता पर काबिज कुछ लोगों के एकाधिकार को तोड़ने का हरसंभव प्रयास किया गया है। हमारी सरकार की प्रत्येक योजना में इसी भाव के दर्शन होते हैं, जिसे हमारे प्रधानमंत्री 'संतृप्ति दृष्टिकोण' की संज्ञा देते हैं। हमारी सरकार का स्पष्ट सिद्धांत है कि कल्याणकारी योजनाएं शत-प्रतिशत लाभार्थियों तक पहुंचे। उसमें पक्षपात या वोटबैंक की कोई राजनीति न हो। कोरोना काल में करोड़ों लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराने से लेकर कोविड रोधी वैक्सीन की रिकार्ड खुराक लगवाने के अभियान में यह प्रत्यक्ष दिखा है। पद्म पुरस्कारों के मामले में भी तुष्टीकरण के बजाय अब वास्तविक परिवर्तन के सूत्रधारों को प्राथमिकता दी जा रही है।

हमें यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि प्रधानमंत्री से लेकर हमारा अधिकांश शीर्ष नेतृत्व विनम्र एवं सामान्य पृष्ठभूमि से है। वे केवल परिश्रम, पुरुषार्थ, मेधा और ईमानदारी के दम पर ही यहां तक पहुंचे हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल में 27 ओबीसी, 12 एससी और आठ एसटी समुदाय से हैं। यह समग्र कैबिनेट का 60 प्रतिशत से अधिक है।इन वर्गों के प्रतिनिधित्व का यह ऐतिहासिक स्तर है। 2019 में भाजपा की विराट सफलता लोकसभा में सबसे अधिक महिला प्रतिनिधित्व के साथ आई। भाजपा ने एससी/एसटी एक्ट को मजबूत बनाया तो ओबीसी आयोग का सपना भी मोदी सरकार ने ही पूरा किया। मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए भी आरक्षण को सुनिश्चित किया। इसका ही परिणाम है कि समाज में यह भाव जागृत हुआ है कि अत्यंत गरीब पृष्ठभूमि से आने वाला व्यक्ति भी सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों से उत्पन्न चुनौतियों से पार पाकर भारत का प्रधानमंत्री बन सकता है और देश को एक नई ऊंचाई तक ले जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन ने यह चरितार्थ कर दिखाया है। मोदी सरकार भारत रत्न बाबा साहब आंबेडकर जी, पूज्य बापू महात्मा गांधी जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के बताए रास्ते पर ही आगे बढ़ रही है

और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के सिद्धांत के साथ समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम कर रही है। इस उद्देश्य से जुड़ी तमाम योजनाएं और पहल गिनाई जा सकती हैं। भाजपा राजनीतिक सत्ता को व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और विकास की दौड़ में पिछड़ गए लोगों के उत्थान और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने हेतु साधन के रूप में देखती है। जनजातीय गौरव दिवस, आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय, खानाबदोश और अर्ध-घुमंतू जनजातियों का सशक्तीकरण, एमएसपी के तहत आने वाले वन उत्पादों की संख्या में वृद्धि और गरीबों में आत्मविश्वास की भावना पैदा करने जैसे निर्णयों ने आदिवासी समुदाय के विकास को एक नया आयाम दिया है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल में 27 ओबीसी, 12 एससी और आठ एसटी समुदाय से हैं। यह समग्र कैबिनेट का 60 प्रतिशत से अधिक है। इन वर्गों के प्रतिनिधित्व का यह ऐतिहासिक स्तर है। 2019 में भाजपा की विराट सफलता लोकसभा में सबसे अधिक महिला प्रतिनिधित्व के साथ आई। भाजपा ने एससी/एसटी एक्ट को मजबूत बनाया तो ओबीसी आयोग का सपना भी मोदी सरकार ने ही पूरा किया। मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए भी आरक्षण को सुनिश्चित किया।

राजग सरकारों द्वारा अभी तक बनाए गए दो राष्ट्रपतियों डा. एपीजे अब्दुल कलाम और रामनाथ कोविंद ने देश को प्रेरणादायक और परिपक्व नेतृत्व प्रदान किया। उनके नेतृत्व ने विश्वपटल पर भारत को एक नए रूप में स्थापित किया। इसी परंपरा में मुर्मू जी की उम्मीदवारी तदुपरांत उनका निर्वाचन 'वंचितों को आवाज देने और इतिहास को फिर से लिखने' की तैयारी है। सामाजिक न्याय और सामाजिक परिवर्तन की हमारी अवधारणा को सदा-सदा के लिए प्रतिष्ठित करने हेतु यह हमारे इतिहास का सबसे गौरवशाली क्षण है। ●●●

रायपुर में श्रीमती मुर्मू का ऐतिहासिक स्वागत

एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार श्रीमती द्रौपदी मुर्मू सांसद विधायकों से समर्थन मांगने के लिए एक दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर पहुंची। उनका राजधानी रायपुर स्थित स्वामी विवेकानंद विमानतल पर भव्य स्वागत हुआ। उसके उपरांत विमानतल से काफिला केनाल रोड पहुंचा जहां श्रीमती मुर्मू ने रानी दुर्गावती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के समर्थन के लिए रायपुर के निजी होटल में सांसद व विधायकों की बैठक आयोजित की गई थी। इस दौरान बसपा व जोगी कांग्रेस के विधायकों ने भी श्रीमती मुर्मू का समर्थन किया। आयोजित बैठक को श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने संबोधित करते हुए कहा कि आप सबका समर्थन मिल रहा है जिसके लिए मैं आपकी आभारी हूं। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के हम सब एक अटूट हिस्सा हैं।

राष्ट्रपति उम्मीदवार श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि छत्तीसगढ़ के कला संस्कृति की समृध्द भूमि पर आना एक सुखद अनुभूति है। यह सौभाग्य की बात है कि हमारा देश मजबूत लोकतंत्र की जननी है जिसकी मजबूती के लिए हम सब कार्य कर रहे हैं। इस समय देश का स्थान पूरी दुनिया में महत्वपूर्ण होने के साथ ही हमारे प्रति विश्व का दृष्टिकोण बदल रहा है। हम देश की आजादी का अमृत महोत्सव को मना रहे हैं। हमने देश के समग्र विकास का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि प्रकृति की पूजा की प्रक्रिया हम जनजातीय समाज से सीखते हैं। वे सदैव संस्कृति की उपासक होते हैं। हमारी लोक परंपरा ही हमारी पहचान है। राज्य निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ को अलग पहचान मिली है। कृषि छत्तीसगढ़ की पहचान है। बस्तर व सरगुजा की संस्कृति हमें सदैव प्रभावित करती रही है। छत्तीसगढ़ का लोकशिल्प अद्वितीय है और छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया जैसे बुनियादी बातों को हमेशा महसूस करते हैं। उन्होंने सभी सांसद व विधायकों से समर्थन की अपील की और कहा कि मातृशक्ति की प्रतिनिधि के रूप में हमेशा राष्ट्र के नव निर्माण में अनुकरणीय कार्य करूंगी।

केन्द्रीय मंत्री व एनडीए की राष्ट्रपति चुनाव प्रभारी गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि एनडीए ने हमेशा राष्ट्रपति पद के लिए योग्य व श्रेष्ठ उम्मीदवार बनाया है। इस बार

भी श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को उम्मीदवार बनाकर जनजाति समाज के स्वर को बुलंद किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश की आजादी के बाद पहली बार जनजाति समाज के सदस्य को राष्ट्रपति पद जैसे महत्वपूर्ण पद का उम्मीदवार बनाया गया है। निश्चित ही एनडीए उम्मीदवार श्रीमती द्रौपदी मुर्मू हम सबकी भावनाओं का प्रतिनिधित्व राष्ट्रपति पद के निर्वाचित होकर कार्य करेंगी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार श्रीमती द्रौपदी मुर्मू विशाल विजय की ओर है। एनडीए के साथ अन्य दलों का समर्थन इस बात को बताता है कि श्रीमती मुर्मू का राष्ट्रपति निर्वाचित होना तय है। विपक्षियों के चेहरों पर हार की लकीरें पढ़ी जा सकती है।

नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि देश के 15वें राष्ट्रपति का आदिवासी समाज के प्रतिनिधि के रूप में होना सबके लिए गौरव की बात है। इतिहास में श्रीमती मुर्मू का राष्ट्रपति बनना समाज में अंत्योदय के विचार का विस्तार करना है। वह समग्र विकास के लिए राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद भी सदैव जुटी रहेंगी। उन्होंने प्रदेश के अन्य विपक्षी दल जनता कांग्रेस व बसपा के समर्थन के लिए आभार माना।

वरिष्ठ विधायक व जनता कांग्रेस के नेता धरमजीत सिंह ने कहा कि श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति उम्मीदवार के ऐलान के बाद ही समाज के हर वर्ग में उत्साह है। हम उनकी विजय सुनिश्चित करने के लिए अपना नैतिक समर्थन देते हैं। वे सदैव सर्व समाज के प्रतिनिधित्व के रूप में राष्ट्र के विकास के लिए कार्य करती रहेंगी। बसपा विधायक केशव चंद्रा ने कहा कि श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाए जाने से समाज का हर वर्ग में काफी उत्साह है। आपके राष्ट्रपति उम्मीदवार घोषित होने के बाद यह साबित हो गया कि समाज में सार्थक सक्रियता से आप सर्वोच्च स्थान पर पहुंच सकती हैं। कार्यक्रम का संचालन भाजपा वरिष्ठ विधायक शिवरतन शर्मा व आभार पूर्व मंत्री

व विधायक ननकीराम कंवर ने माना। इस दौरान महाराष्ट्र सरकार की पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे भी मौजूद रहीं।

कार्यक्रम में विधायक दल ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। राष्ट्रपति की उम्मीदवार श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से प्रजापति ब्रम्हकुमारी की प्रमुख कमला दीदी, जनजाति गौरव समाज, अखिल भारतीय रामनामी समाज, शदाणी दरबार के सदस्य, कबीर गायक पद्मश्री भारती बंधु, सांवरा समाज, हल्बा समाज, सर्व आदिवासी समाज, उत्कल समाज अबूझमाड़िया समाज व लोक कलाकारों सहित समाजिक संगठन के प्रतिनिधियों ने भी भेंट की। इससे पूर्व स्वामी विवेकानंद विमानतल पर लोक कलाकारों ने पांरपरिक रूप से स्वागत किया। इस मौके पर भाजपा सांसद विधायक व पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। ●●●

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

हमें परिश्रम की पराकाष्ठा करनी है और संगठन को मजबूत बनाना है

भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 2 एवं 3 जुलाई, 2022 को हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित हुई। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने बैठक का शुभारंभ किया। मंच पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के साथ राज्यसभा में सदन के नेता एवं केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल भी उपस्थित थे।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने सारगर्भित अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति समाप्त हुई है और विकासवाद अबराजनीति का केंद्रबिंदु बना है। श्री नड्डा ने विपक्ष पर प्रहार करते हुए कहा कि जहां एक ओर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास के नए आयाम गढ़ रहा है, वहीं विपक्ष का व्यवहार अत्यंत ही गैर-जिम्मेदाराना रहा है। विपक्ष तर्कविहीन थोथी राजनीति कर देश की जनता को गुमराह कर रहा है।

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने चुनावी सफलता में नए आयाम स्थापित किये हैं। उन्होंने संगठन को और मजबूत करने पर बल देते हुए कहा कि जिन-जिन राज्यों में हम अब तक सफल नहीं हो पाए, हमें वहां काम करना है और जनता का आशीर्वाद हासिल करना है। हर बूथ पर संगठन को मजबूत करना है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के उद्घाटन सत्र में दिए गए उद्बोधन के मुख्य बिंदुः

आजादी का अमृत काल चल रहा है। प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार की उपलब्धियों से भरे हुए 8 सफल वर्ष पूरे हुए हैं। प्रधानमंत्रीजी का हार्दिकअभिनंदनऔर स्वागत।

देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर देने वाले आजादी के सभी नाम-अनाम सिपाहियों से देश की वर्तमान पीढ़ी का परिचय कराने के लिए प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। स्वातंत्र्य सेनानियों को नमन।

हमारे मनीषी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान को ख़त्म करने के लक्ष्य के साथ की थी। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति और गृह मंत्री श्री अमित शाह की कुशल रणनीति के बल पर वह सपना भी साकार हुआ और जम्मू-कश्मीर से धारा 370 निष्प्रभावी हुई।

एकात्म मानववाद और अंत्योदय हमारी पार्टी की मूल अवधारणा रही है। आज 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के सिद्धांत को सरकार का मूल मंत्र बनाते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जन-जन के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं।

स्वतंत्रता के बाद से लेकर अब तक आदिवासियों के सर्वसमावेशी कल्याण के लिए यदि किसी ने सबसे अधिक काम किया तो वे हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं। आदिवासी समाज को विकास की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए हमारे प्रधानमंत्रीजी ने अहर्निश कार्य किया है। हमारी पार्टी ने इस बार राष्ट्रपति पद को सुशोभित करने के लिए श्रीमती द्रौपदी मुर्मूजी को अपना उम्मीदवार बनाया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने चुनावी सफलता में नए आयाम स्थापित किये हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर के विधान सभा चुनाव में भाजपा ने ऐतिहासिक सफलता अर्जित की। उत्तर प्रदेश (एनडीए) और उत्तराखंड में भाजपा को रिकॉर्ड दूसरी बार दो-तिहाई बहुमत मिला।

देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर देने वाले आजादी के सभी नाम-अनाम सिपाहियों से देश की वर्तमान पीढ़ी का परिचय कराने के लिए प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है।

मणिपुर में भाजपा को पहली बार अपने दम पर बहुमत मिला और लगातार दूसरी बार हमारी सरकार बनी। एक तटीय प्रदेश, एक उत्तर-पूर्व का राज्य, एक पहाड़ी राज्य और एक देश का सबसे बड़ा प्रदेश – हर क्षेत्र की जनता का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर पूर्ण विश्वास और प्रगाढ़ हुआ है।

उत्तर प्रदेश में 37 साल बाद किसी पार्टी की दोबारा सरकार बनी। साथ ही, दूसरे स्थान पर रहने वाली समाजवादी पार्टी से हमारा वोट भी लगभग 9 प्रतिशत अधिक रहा। यूपी के 23 जिलों में हमने क्लीन स्वीप किया। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में 399 विधानसभा सीटों पर अपना उम्मीदवार खड़ा किया था, जिसमें से 387 सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। इसी तरह आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में 377 सीटों पर चुनाव लड़ा था, सभी सीटों पर उसके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई।

उत्तराखंड में भारतीय जनता पार्टी को 47 सीटें मिलीं। आम आदमी पार्टी ने राज्य की सभी 70 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन 68 सीटों पर उसके उम्मीदवार अपनी जमानत भी नहीं बचा पाए। गोवा में लगातार तीसरी बार हमारी सरकार बनी। यहां पर भी आम आदमी पार्टी ने 39 सीटों पर चुनाव लड़ा था जिसमें से 35 सीटों पर उसके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। तृणमूल कांग्रेस ने भी गोवा विधानसभा चुनाव में 26 सीटों पर चुनाव लड़ा था, पर 21 सीटों पर उसकी जमानत भी जब्त हुई।

विधानसभा चुनावों के साथ-साथ देश में हुए लगभग सभी स्थानीय निकाय चुनावों में भी भाजपा ने अपना परचम लहराया है। लद्दाख से लेकर हैदराबाद तक और गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक, देश में हुए लगभग सभी निकाय चुनावों में भाजपा को शानदार जीत मिली है। गुजरात और असम में हम शत-प्रतिशत चुनाव जीते। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गोवा, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर में भी भाजपा ने स्थानीय निकाय चुनावों में शानदार जीत दर्ज की।

हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा उपचुनावों में भी भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया है। उत्तर प्रदेश में हमने आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा की सीट सपा से छीन ली है। त्रिपुरा में चार विधानसभा सीटों पर संपन्न हुए उपचुनाव में तीन पर भाजपा विजयी हुई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति ख़त्म हुई है और विकासवाद, राजनीति का केंद्रबिंदु बना है। उनके नेतृत्व में देश की राजनैतिक कार्य-संस्कृति भी बदली है। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार प्रो-एक्टिव, प्रो-रिस्पोंसिव और प्रो-पुअर सरकार है जो जनसेवा के लिए सतत कटिबद्ध रहती है। हमारे प्रधानमंत्रीजी ने देश के लोकतंत्र में पॉलिटिक्स ऑफ़ परफॉरमेंस और विकासवाद के सिद्धांत को स्थापित किया है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, सौभाग्य योजना, जल-जीवन मिशन, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत अभियान, जन-धन योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, सुरक्षित मातृत्व वंदन योजना जैसे इनिशिएटिव ने भारत में कल्याणकारी शासन व्यवस्था की स्थापना की है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश के लगभग 80 करोड़ लोगों तक पिछले दो वर्षों से मुफ्त राशन पहुंचाया जा रहा

है। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार इस पर लगभग तीन लाख करोड़ रुपये खर्च कर रही है। अटल पेंशन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना और जीवन ज्योति सुरक्षा बीमा योजना— इन तीन योजनाओं में लगभग 40 करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा कवच दिया गया है।

कोरोना की वैश्विक महामारी के दौरान पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई। पूरी दुनिया आज भी कोरोना के विपरीत प्रभाव से उबरने के लिए संघर्षरत है, लेकिन भारत ने इस दौरान अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भी शानदार प्रदर्शन किया है। पिछले वित्तीय वर्ष में भारत की आर्थिक विकास दर 8.4 प्रतिशत से अधिक रही है, जबकि दुनिया की औसत आर्थिक विकास दर महज 6 प्रतिशत के आसपास है। विगत 8 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व के बल पर भारत में गरीबी 22 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत के नीचे चली आई है। अत्यधिक गरीबी की दर भी कोरोना संक्रमण से उत्पन्न संकट के बावजूद 1 प्रतिशत से नीचे बनी हुई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रिकॉर्ड समय में वैक्सीन का निर्माण हुआ है और अब तक लगभग 197 करोड़ वैक्सीन डोज एडमिनिस्टर किये जा चुके हैं। हमने 1.48 करोड़ से अधिक वैक्सीन डोज मुफ्त में देशों को दी है। लगभग 100 देशों को हमने वैक्सीन उपलब्ध कराये हैं। हमारी वैक्सीन सस्ती और टिकाऊ है। हमारे वैक्सीन मैत्री कार्यक्रम की पूरी दुनिया में सराहना हुई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति— दोनों पर काम हुआ। इसके लिए हजारों-लाखों सुझावों पर अध्ययन-मनन हुआ और मैं आज गौरव के साथ कह सकता हूं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्टीय स्वास्थ्य नीति— दोनों ही नीतियां भारत की मिट्टी को ध्यान में रखते हुए बनाई गई हैं जो भारत की जमीन और जड़ों से जुड़ी हुई हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भाषा का भी ध्यान रखा गया है और संस्कृत को आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किये गए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की सीमाएं तो सुरक्षित हुई ही हैं, साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में इन्फ्रास्ट्रक्चर और बुनियादी ढांचे के विकास पर भी विशेष ध्यान केन्द्रित किया गया है। कांग्रेस की सरकार में तो एक रक्षा मंत्री बोलते थे कि हम सीमा पर सड़क बनाएंगे तो पड़ोसी देश नाराज हो जाएगा। आज प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में सही मायनों में स्वतंत्र विदेश नीति का सूत्रपात हुआ है।

एक समय दुनिया में हमारी छवि एक पिछलग्गू, पिछड़े और भ्रष्ट देश की थी, जबकि आज पूरे विश्व में भारत एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। हाल ही में संपन्न G-7 देशों की बैठक में हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। यह विश्व पटल में भारत की बढ़ती साख और श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया का भारत को देखने के नजरिये में बदलाव की कहानी को रेखांकित करता है। विदेशों में रह रहे Indian Diaspora को प्रधानमंत्रीजी के बहुआयामी नेतृत्व के कारण एक आवाज मिली है। ये प्रधानमंत्रीजी की ही विदेश नीति का परिणाम है कि हम युद्धग्रस्त यूक्रेन से अपने 23,000 छात्रों को सकुशल देश वापस लेकर आ सके।

कोविड के संक्रमण काल में जब सभी राजनीतिक दल लॉकडाउन की अवस्था में चले गए, क्वारंटाइन हो गए थे तब प्रधानमंत्रीजी के सेवा ही संगठन मंत्र के आह्वान पर पार्टी के हर कार्यकर्ता ने अपने आप को मानवता की सेवा में झोंक दिया। यह हमारे सामाजिक आयाम को रेखांकित करता है।

जहां एक ओर भारत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास के नए आयाम गढ़ रहा है, वहीं विपक्ष का व्यवहार अत्यंत ही गैर-जिम्मेदाराना रहा है। विपक्ष तर्कविहीन थोथी राजनीति कर देश की जनता को गुमराह कर रहा है। विपक्ष ने वैक्सीन और वैक्सीनेशन पर जनता को गुमराह किया। विपक्ष ने कृषि सुधार कानूनों पर जनता को गुमराह किया।

विपक्ष ने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक पर जनता को गुमराह किया। विपक्ष ने लद्दाख और डोकलाम पर जनता को गुमराह किया। विपक्ष ने राफेल पर जनता को गुमराह किया। देशहित के लिए जरूरी सुधारों को अटकाना, लटकाना और भटकाना— यही विपक्ष का उद्देश्य रह गया है। दुर्भाग्य की बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करते-करते विपक्ष अब देश के विरोध पर उतारू हो गया है।

कोविड के संक्रमण काल में जब सभी राजनीतिक दल लॉकडाउन की अवस्था में चले गए, क्वारंटाइन हो गए थे तब प्रधानमंत्रीजी के सेवा ही संगठन मंत्र के आह्वान पर पार्टी के हर कार्यकर्ता ने अपने आप को मानवता की सेवा में झोंक दिया। यह हमारे सामाजिक आयाम को रेखांकित करता है।

जिन-जिन राज्यों में हम अब तक सफल नहीं हो पाए, हमें वहां काम करना है और जनता का आशीर्वाद हासिल करना है। हर बूथ पर संगठन को मजबूत करना है। जिन राज्यों में हम सरकार में हैं, वहां भी जिन-जिन बूथों पर हम कमजोर हैं, वहां जमकर मेहनत करनी है। हमने ऐसे लगभग 50,000 बूथों को चिह्नित किया है जहां हमें परिश्रम की पराकाष्ठा करनी है और संगठन को मजबूत बनाना है।

भारतीय जनता पार्टी आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। प्रधानमंत्रीजी के मार्गदर्शन में अब हम भाजपा को वैश्विक स्तर पर एक नया आयाम देने के लिए कार्य कर रहे हैं। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी ने 'भाजपा को जानें (Know BJP)' अभियान शुरू किया है। अब तक मैं 40 से अधिक देशों के 'राजनयिकों (Head of Mission)' के साथ संवाद कर चुका हूं। नेपाल के प्रधानमंत्रीजी, सिंगापुर के विदेश मंत्री और वियतनाम की सत्तारूढ़ पार्टी के तीसरे शीर्ष नेता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय आये और उन्होंने वहां काफी समय बिताते हुए भाजपा की कार्यसंस्कृति को समझा, यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के प्रति दुनिया के बदलते दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। ●●●

अगला दशक भारत का

भारतीय जनता पार्टी
कार्यकारिणी बैठक
राजनीतिक प्रस्ताव

केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 02-03 जुलाई, 2022 को हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में 'आर्थिक और गरीब कल्याण संकल्प' प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसका समर्थन केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल और हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने किया।

प्रस्तावक
श्री राजनाथ सिंह

इस प्रस्ताव में कहा गया है कि भारत की विकास गाथा प्रधानमंत्री मोदीजी की आत्मनिर्भरता और गरीब कल्याण के संकल्प एवं सर्वस्पर्शी व सर्वसमावेशी सिद्धांत पर आगे बढ़ रही है। आगे कहा गया है कि जहां सभी उन्नत अर्थव्यवस्थाएं विकास पथ पर वापस आने के लिए आज भी संघर्ष कर रही हैं, वहीं आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में भारत, महामारी के अपने कुशल प्रबंधन, सुविचारित नीतिगत प्रतिक्रिया, प्रो-एक्टिव, प्रो-रेस्पोंसिव और प्रो-पुअर नीति और इसके त्वरित क्रियान्वयन के कारण, इससे उबर कर प्रगति व विकास की नई कहानी लिखने के लिए तैयार खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदीजी ने देश में यह विश्वास भरा कि हमारे पास संसाधन हैं, हमारे पास श्रमशक्ति है, हमारे पास विश्व की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं हैं। हम सर्वश्रेष्ठ उत्पाद बनाएंगे, 'मेड इन इंडिया' उत्पादों की गुणवत्ता अच्छी करेंगे, और अपने उत्पादों को वैश्विक बाजार में ले जाने के लिए और भी बहुत कुछ करेंगे। प्रधानमंत्री मोदीजी के आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना 'वसुधैव कुटुंबकम' पर आधारित है— जब भारत आत्मनिर्भरता की बात करता है तो यह स्व-केंद्रित प्रणाली का पक्ष नहीं लेता है। भारत की आत्मनिर्भरता के संकल्प में समस्त विश्व के सुख, सहयोग और शांति का भाव निहित है।

प्रधानमंत्री मोदीजी द्वारा भारत की आत्मनिर्भरता प्राप्ति के लक्ष्य की ओर ले जाने के लिए पांच क्षेत्र चुने गए हैं

अर्थव्यवस्थाः ऐसी अर्थव्यवस्था जो कि क्रमिक परिवर्तन के बजाय एक साथ बहुत बड़ा परिवर्तन लाने वाला हो।

मूलभूत अवसंरचनाः ऐसी मूलभूत अवसंरचना जो आधुनिक भारत की पहचान और विदेशी निवेश आकर्षित करने वाला हो।

तंत्रः ऐसा तंत्र हो जो आधुनिक प्रौद्योगिकी को अंगीकार करने वाला हो और समाज में डिजिटल तकनीक के प्रयोग को बढ़ाने वाला हो।

जनांकिकीः अपनी बहुमुखी प्रतिभावान और युवा जनांकिकी का सर्वोत्तम उपयोग हो।

मांगः हमारे पास बड़े स्तर पर घरेलू बाजार और मांग वाले क्षेत्र हैं, जिनका पूरी क्षमता से दोहन हो।

कोविड राहत और पुनरुत्थानः आदरणीय प्रधानमंत्रीजी के दूसरी बार पदभार संभालने के तुरंत बाद विश्व के साथ-साथ भारत को भी एक वैश्विक महामारी की अभूतपूर्व चुनौती का सामना करना पड़ा। यद्यपि, भारत न केवल अपने लोगों की रक्षा करने और मानवता की सहायता के लिए लगभग 100 देशों तक सहायता का हाथ बढ़ाने में सफल रहा, अपितु प्रत्येक स्तर पर और शक्तिशाली होकर उभरा। कुशल प्रशासन, नवोन्मेषी सोच, अच्छी तरह से जांची-परखी नीतियां, जन-कल्याण की नीतियों का त्वरित क्रियान्यवन और 1.35 अरब लोगों की सेवा करने की अटूट प्रतिबद्धता ने इस सफलता के मार्ग को प्रशस्त किया।

रिकार्ड समय में भारत की स्वदेशी वैक्सीन का उत्पादन और वितरण सफलता की उल्लेखनीय गाथा है। भारत ने डेढ़ वर्ष में अपने नागरिकों को 191 करोड़ से अधिक वैक्सीन खुराक दी है। ध्यान रहे, यह वही भारत है जिसे विदेशों में खोज हो जाने के पश्चात भी पोलियो वैक्सीन के लिए 30 वर्ष तक प्रतीक्षा करनी पड़ी थी। किंतु प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले भारत ने न केवल कोवैक्सिन नामक अपनी स्वदेशी कोविड-19 वैक्सीन लगभग तुरंत ही विकसित कर ली, अपितु विदेशों में विकसित कोविशील्ड वैक्सीन का स्वदेश में साझेदारी के आधार पर उत्पादन भी किया।

हमने अपने महान देश के आमजन और महिलाओं को सीधा लाभ पहुंचाने के लिए योजनाएं आरंभ की हैं और कदम उठाए हैं। हमने छोटे व्यापार को ऊपर उठाने के लिए अनेक उपाय किए हैं और इसके लिए बड़े परिमाण में धन की व्यवस्था की है। प्रधानमंत्री मोदीजी ने अनेक दीर्घावधि योजनाएं आरंभ कर इस देश के भविष्य को सुरक्षित करने का कदम उठाया है। हम अपने प्रधानमंत्रीजी को नमन करते हैं कि उन्होंने ऋण/जीटीपी और वित्तीय समझदारी के पथ को अपनी सरकार की घोषित परिधि में रखते हुए यह सुनिश्चित किया कि हम अपने साधनों से अधिक व्यय न करें और न ही क्षमता से अधिक बोझ डालें।

गरीबी उन्मूलनः कोविड महामारी की पृष्ठभूमि में आरंभ की गई प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन की सबसे बड़ी योजनाओं में से एक है। इस योजना के अंतर्गत 80 करोड़ लोगों को 25 महीने तक निःशुल्क अनाज (राशन) दिया गया। यह योजना अप्रैल 2020 से चलाई जा रही है और यह विश्व का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम है। इस योजना के अंतर्गत मोदी

सरकार ने अब तक 2.60 लाख करोड़ रुपए व्यय किए हैं और अगले छह मास में सितंबर 2022 तक अतिरिक्त 80,000 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। पीएमजीकेएवाई ने घोर निर्धनता को घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक ने भी योजना की इस भूमिका को स्वीकार किया है।

कृषक समुदाय का उत्थान और जीवन स्तर में सुधार हमारे प्रधानमंत्री मोदीजी की सर्वाधिक प्राथमिकता में है। किसान सम्मान निधि योजना गेम चेंजर है। इसके अंतर्गत 11.78 करोड़ किसानों को 10 किश्तों में सीधे उनके बैंक खातों में 1.82 करोड़ रुपए भेजे गए हैं। 2009-2014 (मनमोहन सरकार) के पांच वर्ष में देश के कृषि बजट में नाममात्र की 8.5 प्रतिशत वृद्धि हुई थी। जबकि श्री नरेन्द्र मोदीजी के प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद 2014 से 2019 के बीच कृषि बजट में 38 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह आंकड़ा मोदी सरकार की किसान हितैषी मंशा, नीति और नेतृत्व का साक्ष्य है।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के आर्थिक लाभ : दशकों से सरकारें जटिल वितरणात्मक न्याय एवं अंतर-पीढ़ीगत सामाजिक सुरक्षा की समस्याओं के समाधान के लिए आधे-अधूरे मन से प्रयास कर रही थीं। भाजपा सरकार ने नीति-निर्माण को समाज के सबसे निर्धन वर्गों को समावेशित करने पर केंद्रित किया है। प्रधानमंत्री मोदीजी देश के पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर स्वच्छता जैसे विषयों पर तेजी से ध्यान केंद्रित किया है। यह विषय ग्रामीण जनसंख्या की भलाई के लिए केंद्रित है। स्वच्छ भारत, उज्ज्वला, पीएम आवास योजना, सौभाग्य और जल जीवन मिशन जैसी राष्ट्रव्यापी योजनाओं की डिजाइन और प्रभावी कार्यान्वयन ने यह सुनिश्चित किया है कि लाखों निर्धन लोगों का जीवन मौलिक रूप से परिवर्तित हो। उनके जीवन स्तर में कई गुना सुधार हुआ है।

'जल जीवन मिशन' का उद्देश्य सभी घरों में नल से जल पहुंचाना है। यह मिशन 'जीवन की गुणवत्ता' को उत्तम बनाने के लिए पूरे वेग से कार्य कर रहा है। यह मिशन उन महिलाओं के लिए 'जीवन की सुगमता' में वृद्धि कर रहा है जो जल एकत्र करने के लिए हर दिन लंबे, थकाऊ घंटे बिताती हैं। देश के 83 जनपद पहले ही 'हर घर जल' जनपद बन चुके हैं। पिछले दो वर्षों में नल के पानी के कनेक्शन वाले परिवारों में तेजी से वृद्धि हुई है। ऐसे परिवारों की संख्या बढ़कर 9 करोड़ से अधिक हो गई है। इस प्रकार देश में नल के पानी के कनेक्शन वाले परिवारों की संख्या लगभग 17 प्रतिशत से बढ़कर 47.19 प्रतिशत हो गई है। जब यह मिशन 2024 तक पूरा होगा, देश के सभी घरों में सुरक्षित पेयजल, नल कनेक्शन का पानी होगा।

'जल जीवन मिशन' का उद्देश्य सभी घरों में नल से जल पहुंचाना है। यह मिशन 'जीवन की गुणवत्ता' को उत्तम बनाने के लिए पूरे वेग से कार्य कर रहा है। यह मिशन उन महिलाओं के लिए 'जीवन की सुगमता' में वृद्धि कर रहा है जो जल एकत्र करने के लिए हर दिन लंबे, थकाऊ घंटे बिताती हैं।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने रियायती एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए हैं। इस प्रकार महिलाओं को एक सुविधा के स्वामित्व के माध्यम से अधिक सम्मान प्रदान किया गया। उज्ज्वला योजना महिलाओं को धुआं मुक्त वातावरण प्रदान करती है और ईंधन की लकड़ी इकट्ठा करने के कठिन परिश्रम को कम करती है, जिससे उनका समय और स्वास्थ्य बचता है। 2022-23 के बजट में एलपीजी के लिए कम सब्सिडी आवंटन करने की आवश्यकता लगी, जिससे यह उत्साहजनक संकेत मिलता है कि भारत में एलपीजी पैठ में लगभग 99 प्रतिशत संतुष्टि है। ग्लासगो जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP26) में प्रधानमंत्री मोदीजी द्वारा देश के कार्बन उत्सर्जन को कम करने वाली घोषणा की दिशा में ये कदम दूरगामी परिणाम देने वाला है।

आयुष्मान भारत और स्वच्छ भारत अभियान जैसी सामाजिक कल्याण योजनाएं परिवारों को स्वास्थ्य गरीबी के जाल में गिरने से बचा रही हैं। इन दोनों योजनाओं की उपलब्धि को कम नहीं समझा जाना चाहिए, क्योंकि ये उपचार के बजाय रोकथाम करती हैं। आयुष्मान भारत सबसे गरीब 50 करोड़ भारतीयों को प्रति परिवार वार्षिक 5 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा कवरेज के साथ गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुरक्षा की गारंटी देता है।

निष्कर्ष : अगला दशक भारत का दशक है और यह लक्ष्य आत्मनिर्भरता के बिना पूरा नहीं होगा। आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए देश के गरीबों के उत्थान के प्रति हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी की प्रतिबद्धता इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कोविड-19 महामारी ने विश्व भर में कहर बरपाया और वैश्विक अर्थव्यवस्था को मंद किया। जहां सभी उन्नत अर्थव्यवस्थाएं विकास पथ पर वापस आने के लिए आज भी संघर्ष कर रही हैं, वहीं आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में भारत, महामारी के अपने कुशल प्रबंधन, सुविचारित नीतिगत प्रतिक्रिया, प्रो-एक्टिव् प्रो-रेस्पोंसिव और प्रो-पुअर नीति और इसके त्वरित क्रियान्वयन के कारण, इससे उबर कर प्रगति व विकास की नई कहानी लिखने के लिए तैयार खड़ा है। भारत महामारी के अपने कुशल प्रबंधन और के कारण ठीक होने के पथ पर है। आईएमएफ के अनुमानों के मुताबिक आने वाले वित्तीय वर्ष में भारत की विकास दर 8.2 प्रतिशत होगी। उभरती अर्थव्यवस्थाओं सहित विश्व की सभी अर्थव्यवस्थाओं में यह सबसे आशाजनक विकास अनुमान है। केंद्र की मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी दोनों को अपने सभी प्रयास और ऊर्जा भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व में सही स्थान पुनः दिलाने के लिए समर्पित करना चाहिए। ●●●

भारतीय जनता पार्टी
कार्यकारिणी बैठक
राजनीतिक प्रस्ताव

गत आठ वर्षों में अविश्वसनीय उपलब्धियां, व्यापक परिवर्तन

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 02-03 जुलाई, 2022 को हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस प्रस्ताव का समर्थन कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज सोमप्पा बोम्मई और असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा ने किया।

प्रस्तावक
श्री अमित शाह

इस प्रस्ताव में कहा गया है कि पंचायत से पार्लियामेंट तक, पश्चिम से पूरब तथा उत्तर से दक्षिण तक, हर ओर भाजपा को जनता का आशीर्वाद मिल रहा है। जिस प्रकार का भारी जनादेश देश की जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील एवं करिश्माई नेतृत्व में भाजपा को दे रही है, उससे देश में पिछले तीन दशकों की राजनैतिक अस्थिरता का दौर समाप्त हुआ है। भाजपा के पक्ष में यह अद्भुत जनसमर्थन देश में एक नए राजनैतिक युग का शंखनाद कर रहा है। आज केंद्र के साथ-साथ देश के 18 राज्यों में भाजपा-एनडीए शासन में है, जो देश के भाजपा पर बढ़ते हुए विश्वास को प्रतिबिंबित करता है।

कांग्रेसनीत विपक्ष की नकारात्मक राजनीति

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो दल वर्षों सत्ता में रहा आज भारत के संविधान के तहत परिकल्पित रचनात्मक विपक्ष की भूमिका नहीं निभा रहा है तथा लोकतांत्रिक मर्यादाओं का लगातार उल्लंघन कर रहा है। अपने राजनीतिक हित को साधने के लिए कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दल झूठ और फरेब की राजनीति का सहारा ले रहे हैं। ऐसा लगता है कि इन्हें न तो भारत के संविधान पर भरोसा है, न देश की जनता पर विश्वास है और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों में इनकी आस्था है। कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दल परिवारवाद, जातिवाद और क्षेत्रवाद की राजनीति में आकंठ डूबे हुए हैं तथा सिद्धांतहीन, अवसरवादी एवं भ्रष्ट राजनीति का शिकार है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हर रचनात्मक कदम का विरोध कर, संसद से पारित कानूनों के रास्ते में रोड़ा अटकाकर तथा सड़कों पर भीड़तंत्र की राजनीति को बढ़ावा देकर वे देश के विकास की रफ्तार को रोकना चाहते हैं। यही कारण है कि कांग्रेसनीत विपक्ष लगातार जनता का विश्वास खोता जा रहा है।

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कई विपक्ष-शासित राज्यों में 'आयुष्मान भारत' जैसी जन-केन्द्रित केन्द्रीय योजनाओं को या तो लागू नहीं किया जा रहा या उनके क्रियान्वयन में रोड़े अटकाए जा रहे हैं। आज सिद्धांतों एवं आदर्शों पर चलने वाले राजनीतिक दलों के लिए भी परिवारवाद खतरा बना हुआ है।

एक ओर जहां पूरा राष्ट्र कोविड-19 वैश्विक महामारी का एकजुट होकर सामना कर रहा था, वहीं कुछ विपक्षी राजनैतिक दल झूठे प्रोपगेंडा एवं आधारहीन आरोपों के आधार पर अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने का कुत्सित प्रयास कर रहे थे। जिस प्रकार से कांग्रेस एवं कई अन्य विपक्षी दलों ने भय, शंका एवं नकारात्मकता का वातावरण बनाकर राष्ट्र का मनोबल तोड़ने के प्रयत्न किए, उसे देश कभी भूल नहीं सकता। एक कठिन दौर में इन लोगों ने राष्ट्र की क्षमता को चुनौती दी तथा 'मेड इन इंडिया' टीकों पर झूठे प्रश्न खड़े किए। जब भी देश पर कोई संकट आया या राष्ट्रहित में कोई कार्य सिद्ध किए गए, कांग्रेस और इसके सहयोगियों ने प्रश्न खड़े किए। चाहे सेना द्वारा सर्जिकल स्ट्राइक का विषय हो, एयर स्ट्राइक का विषय हो या फिर सीमा पर भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम का क्षण हो, कांग्रेस एवं इसके सहयोगी हमेशा विपरीत ध्रुव पर खड़े दिखाई देते हैं। आज जब जांच एजेंसियों द्वारा कांग्रेस के अध्यक्ष एवं इसके पूर्व अध्यक्ष से पूछताछ की जाती है तो पूरी कांग्रेस सड़कों पर उतरकर इसका विरोध करती है, यदि कोई राष्ट्रहित का विषय भी हो तो कांग्रेस पार्टी देश का ही विरोध करती नजर आती है। परिवारवाद-वंशवाद की राजनीति के कारण कांग्रेस आज सिद्धांतहीन, अवसरवादी एवं भ्रष्ट राजनीति की पर्याय बन गई है। इसमें कोई संदेह नहीं कि जिस पार्टी के अंदर ही लोकतंत्र नहीं, वो लोकतंत्र की गरिमा नहीं समझ सकती। कांग्रेस स्वयं को हताशा में अपने विनाश की ओर धकेल रही है। हताशा एवं निराशा में कांग्रेस आज देश में विभाजनकारी तत्वों से मेलजोल कर 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' के साथ खड़ी दिखती है तथा देश में विष वमन एवं कुप्रचार के माध्यम से भ्रम फैलाना चाहती है। जहां पाकिस्तान भारत के विरुद्ध अपने बयानों में कांग्रेस के नेताओं के वक्तव्यों का

सहारा लेता है, वहीं कांग्रेस के नेता कश्मीर को संयुक्त राष्ट्र का मामला बताने से भी नहीं कतराते हैं। इनके कई वक्तव्य दूसरे देशों को भारत के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप करने को उकसाते हैं तथा भारत की संप्रभुता पर प्रश्नचिह्न खड़े करते हैं।

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कई विपक्ष-शासित राज्यों में 'आयुष्मान भारत' जैसी जन-केन्द्रित केन्द्रीय योजनाओं को या तो लागू नहीं किया जा रहा या उनके क्रियान्वयन में रोड़े अटकाए जा रहे हैं। आज सिद्धांतों एवं आदर्शों पर चलने वाले राजनीतिक दलों के लिए भी परिवारवाद खतरा बना हुआ है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के कई राजनीतिक दल भी परिवारवाद, जातिवाद एवं क्षेत्रवाद की अलोकतांत्रिक राजनीति की भेंट चढ़ चुके हैं।

'नए भारत' का संकल्प

पिछले 8 वर्षों में भारत ने न केवल लंबे समय से चली आ रही विभिन्न समस्याओं को निर्णायक रूप से हल किया है, बल्कि 21वीं सदी में अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए अनेक ऐतिहासिक सुधार भी किए हैं। कांग्रेसनीत यूपीए के कुशासन, भ्रष्टाचार, घपलों एवं घोटालों को देश आज भी भूला नहीं है। यह वह दौर था जब हर दिन कोई न कोई घोटाला समाचार-पत्रों की सुर्खियां बना रहता था और 'पॉलिसी पैरालिसिस' जैसे शब्द सरकार के शब्दकोश की पहचान बन गए थे। एक दिशाहीन एवं नेतृत्वविहीन सरकार केंद्र में थी। पूरे देश में निराशा एवं हताशा का वातावरण था। ऐसे समय में पूरे देश ने श्री नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में स्पष्ट जनादेश दिया। आज, आठ वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में देश में एक नई कार्य-संस्कृति का शुभारंभ हुआ है जिसके कारण भ्रष्टाचारमुक्त, पारदर्शी एवं जवाबदेह सुशासन आज जन-जन को प्राप्त हो रहा है।

प्रधानमंत्रीजी के अथक प्रयासों के कारण आज 'प्रगति' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से देश में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की निरंतर समीक्षा करते हुए उनको गति दी जा रही है तथा वर्षों से लटकी परियोजनाओं को पूर्ण किया जा रहा है।

नए भारत की नई कार्य-संस्कृति का ही परिणाम रहा कि भारत ने जीएसटी जैसे बड़े कर सुधार को अपनाया। विभिन्न राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए आज जीएसटी परिषद हर निर्णय सर्वसम्मति से लेकर स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा का पूरे विश्व में उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। आज जीएसटी को देश की जनता ने भी पूरी तरह से अपनाया है, जिसका परिणाम हम हर महीने रिकॉर्ड कर संग्रह में देख सकते हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है, जनता को कई प्रकार के करों के जंजाल से मुक्ति मिली है और अंतर्राज्यीय व्यापार सुगम हुआ है। इसके अंतर्गत कोविड-19 महामारी के दौरान भी राज्यों को जीएसटी की क्षतिपूर्ति राशि का केंद्र द्वारा निरंतर भुगतान किया गया है। धारा 370 को हटाने, नागरिकता संशोधन अधिनियम पारित करने, तीन तलाक पर कड़े कानून बनाने, वन रैंक-वन पेंशन लागू करने, राष्ट्रीय समर स्मारक तथा राष्ट्रीय पुलिस स्मारक की स्थापना, बोड़ो एवं ब्रू-रियांग समझौते जैसे अनेक ऐतिहासिक निर्णयों के साथ-साथ प्रधानमंत्री गतिशक्ति, पीएलआई, हरित हाइड्रोजन, जैविक खेती को प्रोत्साहन, कार्य-संस्कृति में सुधार, डिजीटल इंडिया मिशन, खेलकूद को विशेष प्रोत्साहन देने के लिए खेलो इंडिया एवं अग्निपथ जैसे अनेक सुधार कार्यक्रमों से एक नए भारत का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

आह्वान

आज जबकि आत्मविश्वास से भरे एक ऐसे देश का उदय हो रहा है जिसके मन में 'आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प है, हर ओर एक नई प्रकार की ऊर्जा देखी जा सकती है। एक ऐसा भारत जो कोविड-19 वैश्विक महामारी की चुनौतियों का न केवल सफलतापूर्वक सामना करता है, बल्कि अन्य देशों को इस कठिन घड़ी में सहायता भी करता है, एक 'नए भारत' की शक्ति को दर्शाता है। एक भारत जो कोविड-रोधी टीकों का निर्माण कर सकता है, जो हर महामारी में चुनौती को विभिन्न सुधारों के माध्यम से अवसर में बदल सकता है जो पिछले दो वर्षों से 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन दे सकता है, महामारी में समाज के कमजोर वर्गों की चिंता कर सकता है और हर व्यक्ति को निःशुल्क टीका दे सकता है। यह भारत आज से मात्र आठ वर्ष पूर्व यूपीए के कुशासन के दौर में असंभव दिखता था। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का कुशल नेतृत्व है जिसने करोड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं एवं देशभर में जन-जन को निःस्वार्थ राष्ट्र सेवा के लिए अपने अथक प्रयासों एवं स्वयं के उदाहरण से प्रेरित किया, उसके कारण ही संभव हो पाया है। आज एक ऐसे भारत का उदय हुआ है जो अब किसी क्षेत्र में पिछड़ता नहीं, बल्कि हर कार्य को लक्ष्य कर समय से पहले पूर्ण कर लेता है। आज जब भारत अपनी आंतरिक शक्ति को पहचान रहा है, 'आत्मनिर्भर भारत' का लक्ष्य अब दूर नहीं है।

स्वतंत्रता के पश्चात् भाजपा एकमात्र ऐसे दल के रूप में उभरी, जिसने लोकतंत्र एवं जनहित में अनेक सुधारों की मांग एवं उनका समर्थन किया तथा शासन में आने पर इन्हें कार्यान्वित किया, ताकि देश की लोकतांत्रिक पद्धतियां और भी अधिक सुदृढ़ हो सकें। एक ऐसे राजनैतिक दल के रूप में जो देश के गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेता हो, भाजपा देश में सुदृढ़ अवसंरचना, युवाओं के लिए अपार संभावनाएं एवं भविष्योन्मुखी नीतियों के माध्यम से हर क्षेत्र के विकास के साथ 21वीं सदी का भारत बनाने के लिए कृतसंकल्पित है। आज देश भारतीय जनता पार्टी की सकारात्मक राजनीति के साथ आगे बढ़ रहा है तथा कांग्रेसनीत विपक्ष की नकारात्मक राजनीति को चुनाव दर चुनाव पराजित कर रहा है। भारतीय जनता पार्टी देश की महान जनता से यह आह्वान करती है कि वह परिवारवाद-वंशवाद, जातिवाद एवं क्षेत्रवाद की विभाजनकारी, अवसरवादी, सिद्धांतहीन एवं भ्रष्ट राजनीति को पूरी तरह से परास्त करे और विकास, सुशासन एवं 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉरमेंस' को और भी अधिक सुदृढ़ करते हुए सर्वसमावेशी एवं गरीब कल्याण की राजनीति के पक्ष में एकजुट हो। ●●●

आज का भारत तुष्टीकरण के कालखंड से आगे बढ़ गया है: नरेन्द्र मोदी

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 3 जुलाई, 2022 को हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की द्विदिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के समापन सत्र को संबोधित किया और पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से आजादी के अमृत काल में देश को विश्वगुरु के पद पर प्रतिष्ठित करने के लिए संकल्प लेने का आह्वान किया। भाजपा की द्विदिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पूरे सत्र के दौरान कार्यकारिणी सदस्यों को प्रधानमंत्रीजी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि आठ साल पहले देश में निराशा, नकारात्मकता, भ्रष्टाचार और पॉलिसी पैरालिसिस का माहौल था, लेकिन जब देश की जनता ने भाजपा में अपना विश्वास जताते हुए भाजपा की सरकार बनाई तो उसके बाद से देश में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। हमने जनता के भरोसे को टूटने नहीं दिया। श्री मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए सात सूत्र बताए। ये सूत्र हैं- सेवाभाव, संतुलन, संयम, समन्वय, सकारात्मकता, संवेदना और संवाद। उन्होंने कहा कि ये सात सूत्र हमारे जीवन से जुड़ेंगे तो हम भी आगे बढ़ेंगे और देश को भी आगे ले जाने में सफल होंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन के मुख्य बिंदु

यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब देश अमृतकाल में अपने लिए नए संकल्प ले रहा है। जब हम आजादी के 100 वर्ष मनाएंगे, तब देश जिस ऊंचाई पर होगा, उसके लिए प्रयत्न करने का यही सही समय है। एक राजनीतिक दल के रूप में भाजपा के लिए भी महत्वपूर्ण है कि वो अगले 25 वर्षों के लिए अपना एक रोडमैप बनाए तथा भविष्य से जुड़ी नीतियों और निर्णयों पर मंथन करे। विपक्षी पार्टियों की स्थिति बहुत खराब है। हमें उनकी इस स्थिति से सीख लेनी है कि वो कौन सी बुराई और कमियां हैं, जिसके कारण वे इतने नीचे आ गए, जनता से दूर होते गए और लगातार दूर होते ही जा रहे हैं। हमें उन चीजों से अपने आप को बचाए हुए रखना है, क्योंकि हम अपने के लिए नहीं, बल्कि मातृभूमि के लिए कार्य कर रहे हैं। सत्ता से बाहर होने पर कई पार्टियों के लिए अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाता है जबकि भाजपा जिन राज्यों में दशकों तक सत्ता में नहीं थी, वहां भी पार्टी का कैडर रहा, कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। हमारे कार्यकर्ता न थके हैं, न झुके हैं और न रुके हैं। पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और केरल जैसे राज्यों में विपरीत परिस्थितियों में भी भाजपा के कार्यकर्ता देश के लिए अविचल रह कर काम कर रहे हैं। हमें अपने कार्यकर्ताओं पर गर्व है। आठ साल पहले देश में निराशा, नकारात्मकता, भ्रष्टाचार और पॉलिसी पैरालिसिस का माहौल था लेकिन जब देश की जनता ने भाजपा में अपना विश्वास जताते हुए भाजपा की सरकार बनाई तो उसके बाद से देश में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। हमने जनता के भरोसे को टूटने नहीं दिया।

आज हमारी सरकार की पहचान है— P2G2 अर्थात् Pro-People, Pro-Active Good Governance. जब दुनिया कोरोना के सामने किंकर्तव्यविमूढ़ की सी स्थिति में थी, तब हम लगातार एक के बाद एक कदम उठा रहे थे। एक समय की निराशा आज आशा, विश्वास, भरोसा और श्रद्धा में बदल चुकी है। आज देश अस्थिरता से स्थिरता और स्थिरता से निरंतरता की ओर बढ़ रहा है। आज का भारत तुष्टीकरण के कालखंड से आगे बढ़ कर तृप्तीकरण के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। हम इस बात के लिए कटिबद्ध हैं कि पहले गरीबों को बुनियादी सुविधाओं और आगे बढ़ने के अवसरों के बिना जिस तरह की जिंदगी बितानी पड़ी, उनके बच्चों को उन हालातों से गुजरना नहीं पड़ेगा। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है— हमें आने वाली पीढ़ियों को आज से बेहतर भविष्य देना है, आज से बेहतर जीवन देना है।

दशकों तक सत्ता में रहने वाली पार्टी भी क्यों देश की प्रगति की कोई दिशा तय नहीं कर पाई? आज देश की प्रगति की दिशा भी तय है, संकल्प, सपने भी साथ है। हमारी नीति और नीयत भी समान हैं। आज भारत का संकल्प आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल और गरीब कल्याण का है। आज का भारत अपनी विरासत पर गर्व करते हुए विकास के नए आयाम गढ़ रहा है। आज का भारत बिना किसी भेदभाव के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के रास्ते पर चल रहा है। प्रगति की यही दिशा देश को विश्वगुरु के पद पर पुनः प्रतिष्ठित करेगी।

युग बदलता है, समय बदलता है, देश बनते हैं, देश कभी रुकता है, कभी आगे

बढ़ता है, कभी भूगोल और इतिहास भी बदलते हैं लेकिन हमारा देश शाश्वत था, शाश्वत है और शाश्वत रहने वाला है।

जब कोरोना के कारण दुनिया भर में गरीबी बढ़ने की आशंका जताई जा रही थी, तब उस कालखंड में भारत में गरीबी में कमी आई है। यह हमारी नीति और नीयत का परिचायक है। जब पूरे विश्व में आर्थिक गतिविधियां प्रभावित कोरोना के कारण प्रभावित हो रही थीं तब हमारा भारत दुनिया में सबसे तेज गति से विकास कर रहा है। ऐसे समय में जब दुनिया की सप्लाई चेन बुरी तरह से प्रभावित है, तब भारत निर्यात में रिकॉर्ड कायम कर रहा है। जब दुनिया के कई देशों में वैक्सीनेशन अभी भी एक बड़ी चुनौती है, तब भारत 200 करोड़ वैक्सीन डोज एडमिनिस्टर करने की कगार पर खड़ा है। हमने 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना के साथ 23 करोड़ डोज दुनिया के गरीब देशों को पहुंचाए हैं और वहां गरीबों की जिंदगी बचाई है। भारत वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने और उसके समाधान की दिशा में काम कर रहा है।

आज भारत परिवारवाद की राजनीति और पुरानी मानसिकता से ऊब चुका है। आने वाले दिनों में परिवारवाद की राजनीति करने वाले ऐसे दलों के लिए टिक पाना मुश्किल है। हिन्दुस्तान की जनता अब ऐसी मानसिकता को स्वीकार नहीं करेगी। स्थापना काल से ही हमारी पार्टी की आत्मा में सच्चे लोकतंत्र (true democracy) का संस्कार रहा है। सरदार पटेल ने 'एक भारत' का निर्माण किया। वे कांग्रेस पार्टी के नेता थे, लेकिन उनकी सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित करने का सौभाग्य हमें मिला। देश के सभी प्रधानमंत्रियों का म्यूजियम बनाने का साहस भी हम ही कर सकते हैं। देश में जो कुछ उत्तम है, सब हमारे ही हैं - हम इस भावना से काम कर रहे हैं।

जो वर्षों तक देश की सत्ता पर काबिज रहे, वे देशहित की योजनाओं का भी अंधा विरोध करने पर उतारू हैं। जनता उन्हें न तो सुनती है, न स्वीकारती है, बस नकारती है। नकारात्मकता के बीच सकारात्मक बात को उठाना एक चुनौतीपूर्ण काम है। हमने गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, आदिवासी, युवा एवं महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए जो काम किये, उन्हें जनता तक पहुंचाना जरूरी है। हमने भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए जो प्रयास किये, उसे जनता तक पहुंचाना बहुत जरूरी है।

मैंने पहले भी कहा है और आज भी कह रहा हूं कि भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए सात सूत्र बहुत जरूरी हैं। ये सूत्र हैं—सेवा भाव, संतुलन, संयम, समन्वय, सकारात्मकता, संवेदना और संवाद। ये सात सूत्र हमारे जीवन से जुड़ेंगे तो हम भी आगे बढ़ेंगे और देश को भी आगे ले जाने में सफल होंगे।

आजादी के बाद पहली बार आदिवासी समाज की महिला भारत के राष्ट्रपति के पद को सुशोभित करने वाली हैं। आजादी के इतने वर्षों के बाद पहली बार आदिवासी समाज को नई पहचान मिल रही है। पहली बार आदिवासी समाज से राष्ट्र के सर्वोच्च प्रदेश पर आसीन होने का सपना साकार हो रहा है।

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने इसी धरती से हमें 'एक भारत' दिया था। आज हम उसी धरती से 'एक भारत को श्रेष्ठ भारत' बनाने का संकल्प ले रहे हैं। इस कार्यक्रम को अभूतपूर्व बनाने के लिए मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, उनकी पूरी टीम को और तेलंगाना प्रदेश भाजपा इकाई का हार्दिक अभिनंदन करता हूं। ●●●

प्रदेश में महिलाओं को छलने वाली कांग्रेस को देना होगा करारा जवाबः सरोज पाण्डेय

मातृशक्ति ने मुगलों को भी युद्ध में परास्त किया है : रेखा गुप्ता

शिक्षित महिला कई परिवारों को शिक्षित करती हैः प्राची पाटिल

नए भारत के विकास में महिलाओं की बढ़ रही भागीदारीः रंजना साहू

भाजपा महिला मोर्चा की तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन चंपारण में प्रदेश कार्यसमिति का आयोजन हुआ। इस बैठक में राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पाण्डेय ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने महिलाओं को छला है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने महिलाओं की आत्मसम्मान को हमेशा ठेस पहुंचाया है। शराबबंदी के नाम पर सत्ता में आने के बाद भी कांग्रेस ने शराबबंदी की दिशा में कुछ नहीं किया जिसके कारण प्रदेश के हर इलाके में अपराध की घटनाएं आम हो चुकी है। उन्होंने कहा कि यहां से हम मातृशक्ति एक संकल्प के साथ लौटेंगे और प्रदेश की कांग्रेस सरकार को करारा जवाब देंगे। मिशन 2023 में हम सबकी भूमिका महत्वपूर्ण है। मातृशक्ति ने जब चाहा है तब परिवर्तन के कारण बने हैं।

महिला मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा गुप्ता ने प्रशिक्षण शिविर में राष्ट्र निर्माण में महिलाओं का योगदान के संदर्भ पर चर्चा करते हुए कहा कि आज महिलाएं राष्ट्र निर्माण में भी अपना महत्वपूर्ण

महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति में केन्द्र सरकार की उपलब्धियों, प्रदेश की कांग्रेस सरकार की नाकामियों व महिलाओं के साथ हो रहे अपराध पर विस्तार से चर्चा हुई व प्रदेश की कांग्रेस सरकार को हर मोर्चे पर करारा जवाब देने की दिशा में चर्चा हुई।

योगदान दे रही है। महिला सशक्तिकरण के लिए केंद्र सरकार कई महत्वपूर्ण योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति हमेशा सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लड़ती रही है यही कारण है कि हम सब परिवर्तन के प्रतीक बने है। रानी लक्ष्मीबाई, अवंती बाई, अहिल्याबाई होलकर, रानी दुर्गावती, मनु गार्गी सहित कई मातृ शक्तियों ने राष्ट्र के नवनिर्माण में जो योगदान दिया है उसे भुलाया नहीं जा सकता है।

इस मौके पर प्रान्त प्रचारिका सुश्री प्राची पाटिल ने प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय समाज में नारी एक माता, एक बेटी व एक पत्नी सहित कई दायित्व का निर्वहन कर रही है। मातृशक्ति समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है उनके बिना विकसित तथा समृद्ध समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि एक महिला जो शिक्षित होती है तो समग्र समाज की शिक्षा की चिंता करती है। शिक्षित समाज से ही समृद्ध समाज की परिकल्पना को पूर्ण करते है।

बिलासपुर उच्च न्यायालय की अधिवक्ता श्रीमती दीपाली पांडे ने कहा कि हर युग में मातृशक्ति की अपना महत्व रहा है। मातृशक्ति के बिना किसी समाज की परिकल्पना नहीं कर सकते है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मातृशक्ति को उनके अधिकारों को दिलाने महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। हमें अपने कार्य कुशलता को और विकसित कर समाज, परिवार निर्माण की दिशा में अनुकरणीय कार्य करना होगा।

धमतरी विधायक श्रीमती रंजना साहू ने प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लिए हम सबका पूर्ण सहयोग है। इस अभियान में मातृशक्ति को जोड़ने से अभियान की गति और अधिक विस्तारित हो गई है। मुद्रा लोन योजना में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं लाभार्थी हैं। उज्जवला अभियान को मातृशक्ति को समर्पित किया गया है। नवीन भारत के विकास में हम सबकी भूमिका महत्वपूर्ण हैं। हम सबके लिए सौभाग्य की बात है कि इस वर्ष 34 मातृशक्तियों को पद्म पुरस्कार अलग-अलग क्षेत्रों में अनुकरणीय कार्य के लिए मिला हैं। हम सपनों को नए आयाम के साथ गढ़ने की दिशा में एक जुटता से जुटे हुए हैं।

महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति में केन्द्र सरकार की उपलब्धियों, प्रदेश की कांग्रेस सरकार की नाकामियों व महिलाओं के साथ हो रहे अपराध पर विस्तार से चर्चा हुई व प्रदेश की कांग्रेस सरकार को हर मोर्चे पर करारा जवाब देने की दिशा में चर्चा हुई। प्रदेश कार्यसमिति बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव प्रदेश महामंत्री श्रीमती विभा अवस्थी ने प्रस्तुत किया जिसका श्याम बाई साहू ने समर्थन किया।

इस दौरान विभा राव, ममता साहू, मीनल चौबे, सुषमा खल्को, आशा दुबे, चंद्रकांति वर्मा, भावना बोहरा, संगीता शर्मा, कल्याणी साहू, किरण बघेल, अनिता नेताम, बिंदु महेश्वरी, स्वाति तिवारी, भारती भागल, अंजू नायक, सहित महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष, महामंत्री महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहीं। ●●●

आरोपी को तत्काल सजा देने की मांग

जांजगीर के निर्भया कांड के विरोध में महिला मोर्चा की प्रतिकार रैली

निर्भया कांड के कारण छत्तीसगढ़ में व्यापक जन आक्रोशः दिप्ती रावत

अब अपराधियों का नया ठिकाना ही छत्तीसगढ़ हो गया हैः नारायण चंदेल

कांग्रेस की सरकार अपराधियों के सामने नतमस्तकः शालिनी राजपूत

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने जांजगीर जिले की अकलतरा क्षेत्र में हुए निर्भया कांड के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप इस घटना के आरोपी को तत्काल फांसी की सजा देने की मांग की।

जांजगीर के कचहरी चौक में आयोजित धरने को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महामंत्री दीप्ति रावत भारद्वाज ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को दिल्ली की चिंता है, उन्हें प्रदेश की महिलाओं की चिंता नहीं है जिस कदर प्रदेश में अपराध बढ़ा है प्रदेश के गृह मंत्री का तो पता ही नहीं है कि वह महिला सुरक्षा के लिए क्या कर रहे हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमरा गई है और हर तरफ अनाचार के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश शांति का टापू कहलाने वाला प्रदेश था जिसे प्रदेश की कांग्रेस की सरकार ने एक अशांत प्रदेश एवं अपराधियों का नया ठिकाना बना दिया है। महिला सुरक्षा के नाम पर तो प्रदेश की कांग्रेस सरकार केवल दिखावा ही कर रही है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व वरिष्ठ विधायक नारायण चंदेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जब से कांग्रेस की सरकार आई है तब से प्रदेश में लगातार अपराध का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है अपराधियों के ऊपर कोई अंकुश नही है। अपने आप को महिला हितैषी कहने वाली प्रदेश की कांग्रेस सरकार महिला सुरक्षा के मामले में पूरी तरह विफल एवं नकारा साबित हुई है। प्रदेश में हर तरफ महिलाओं के साथ छेड़छाड़ व दुराचार की घटनाएं घटित हो रही है। कांग्रेस सरकार व पुलिस प्रशासन अपनी असंवेदनशीलता का परिचय देते हुए मौनी बाबा बन कर बैठे हुए हैं। प्रदेश में लगातार बढ़ रहे अपराध के मामले को हम विधानसभा के सदन में भी उठाएंगे।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश प्रभारी व पूर्व मंत्री लता उसेंडी ने कहा कि जांजगीर के इस निर्भया कांड की जितनी निंदा की जाए वह कम है। इस हृदयविदारक घटना ने हम सबको विचलित कर दिया है। कांग्रेस की सरकार को जरा भी महिलाओं की चिंता होती तो प्रदेश में अनाचार के मामले इस कदर नहीं बढ़ते। पुलिस का भय कहीं भी नहीं दिखता है। पूरे प्रदेश में पुलिस टेंडर पर चल रही है।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने जांजगीर की अकलतरा क्षेत्र की घटना को हृदय विदारक बताते हुए कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार प्रदेश में महिलाओं के साथ बढ़ते अपराध को रोकने में पूरी तरह से विफल साबित हुई है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार और प्रदेश की कानून व्यवस्था अपराधियों के सामने नतमस्तक हैं। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी व कांग्रेस की नेत्री प्रियंका गांधी वाड्रा को छत्तीसगढ़ में महिलाओं

प्रदेश में महिलाओं से लगातार हो रहे नृशंस अपराधों के विरूद्ध प्रदेश भाजपा ने राज्यपाल को ज्ञापन भी दिया।

के साथ लगातार बढ़ते अपराध को देखने के लिए छत्तीसगढ़ आने की बात कही। दूसरे प्रदेश की घटनाओं पर मुआवजा की घोषणा करने वाले घोषणावीर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को इस घटना पर पीड़ित परिवार को तत्काल मुआवजा की घोषणा करनी चाहिए।

जांजगीर भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णकांत चंद्रा ने कहा कि जांजगीर जिले के घटना के कारण पूरे प्रदेश व देश में बेहद आक्रोश है। कांग्रेस की सरकार प्रदेश वासियों की जरा भी चिंता नहीं है। इस सरकार में तो केवल अपनों के बीच का संघर्ष ही चर्चा में रहा है। इन्हें आम लोगों की सुरक्षा को लेकर कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया है जिस कारण निर्भया जैसी घटना हुई है। पूरे जिले में अवैध नशे का कारोबार पुलिस के संरक्षण में फल-फूल रहा है।

अकलतरा विधायक सौरभ सिंह ने कहा कि कांग्रेस महिलाओं को केवल अपना वोट बैंक का मानती है। प्रदेश के हर वर्ग से झूठ बोलकर सत्ता पाने वाली प्रदेश की कांग्रेस सरकार महिला सुरक्षा के नाम पर हाथ पर हाथ धरे बैठी हुई है। प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू मानों एक कठपुतली बन गए हैं जो केवल और केवल भूपेश बघेल के इशारों पर ही अपने मंत्रालय को चला रहे हैं। वह देश के एकमात्र ऐसे गृह मंत्री है जो मौनी बाबा के रूप में जाने जाते है।

धमतरी विधायक श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता पाने की चाह में कितने वादे किए थे उसे पूरा करने में असफल है। उसमें एक महत्वपूर्ण वादा पूर्ण शराबबंदी का भी रहा है। लेकिन इस सरकार ने शराबबंदी करने के बजाय शराब के अवैध बिक्री को प्रोत्साहित किया है जिसके कारण प्रदेश में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि इस निर्भयाकांड जैसी घटना प्रदेश में हो जाती है और प्रदेश की कांग्रेस सरकार मौन है। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रजनी साहू ने कहा कि जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नही मिलता हमारा आंदोलन जारी रहेगा। हम पीड़िता के न्याय के लिए हर मोर्चे पर मजबूती से जूटे रहेंगे।

इस दौरान धरना प्रदर्शन में सांसद गुहाराम आजगले, महिला मोर्चा प्रदेश सह प्रभारी उषा टावरी, राष्ट्रीय किसान मोर्चा मंत्री पिंकी ध्रुव, जिला महामंत्री कन्हैया गोयल, पुरुषोत्तम शर्मा, उपाध्यक्ष उषा ठाकुर, प्रदेश महामंत्री विभा अवस्थी, उपाध्यक्ष ममता साहू, प्रदेश मीडिया प्रभारी डॉ. किरण बघेल, कार्यालय मंत्री कल्याणी साहू, वैशाली रत्ना पारीक, जयश्री चौकसे सहित महिला मोर्चा की पदाधिकारी, कार्यकर्ता व पार्टीजन बड़ी संख्या में मौजूद थी। ●●●

जीएसटी पर कांग्रेस का दोहरा रवैया, नीति और राजनीति में विरोधाभास

शिवानन्द द्विवेदी

जीएसटी काउंसिल द्वारा पैकेटबंद दही, लस्सी, आटा, पनीर सहित कुछ अन्य खाद्य सामग्रियों पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगाए जाने का कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दल विरोध कर रहे हैं। वे ऐसा जाहिर कर रहे हैं कि यह निर्णय केंद्र सरकार ने लिया है। हालांकि यह फैसला केंद्र सरकार का नहीं, बल्कि जीएसटी काउंसिल का है। यह एक नीतिगत निर्णय है। अतः इसका समर्थन अथवा विरोध भी नीतिगत होना चाहिए। तथ्यों को दरकिनार कर इसका विरोध तर्कहीन राजनीति के अतिरिक्त कुछ नहीं है।

जीएसटी काउंसिल का ढांचा

तथ्य यह है कि जीएसटी की दरों में बदलाव के संबंध में कोई भी निर्णय लेने का अधिकार जीएसटी काउंसिल को है। जीएसटी काउंसिल का गठन और इसकी कार्यप्रणाली संघीय ढांचे के अनुरूप है, जिसमें सभी राज्यों के वित्त मंत्री सदस्य हैं। किसी निर्णय आदि के संबंध में राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों को वोटिंग का अधिकार मिला हुआ है। अतः यह मानना सिरे से गलत है कि जीएसटी की दरों में किसी प्रकार के निर्णय केंद्र सरकार द्वारा लिए जाते हैं। वास्तव में इसमें राज्यों की पर्याप्त भूमिका और हिस्सेदारी होती है। हालांकि अबतक का जो इतिहास है उसमें किसी भी निर्णय में वोटिंग कराने की स्थिति बहुत कम ही आई है। ज्यादातर निर्णय राज्य और केंद्र परस्पर सहमति से ही लेते रहे हैं। पैकेटबंद दही, लस्सी, पनीर जैसी वस्तुओं पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगाने का निर्णय भी सर्वानुमति से लिया गया है।गौरतलब है कि कोविड की गंभीर परिस्थितियों को देखते हुए गत 17 सितंबर, 2021 को लखनऊ में हुई जीएसटी काउंसिल की 45वीं बैठक में सभी राज्यों की तरफ से टैक्स दरों में बदलावों को लेकर कुछ मांगें रखी गईं। जीएसटी दरों के संबंध में बदलावों से जुड़ी मांगों पर विचार करने के लिए जीएसटी काउंसिल ने सात राज्यों के प्रतिनिधित्व वाले एक मंत्री समूह का गठन किया। उस मंत्री समूह में एनडीए शासित राज्यों-कर्नाटक, बिहार, उत्तर प्रदेश और गोवा के अलावा गैर-एनडीए शासित केरल, बंगाल और राजस्थान के वित्त मंत्री भी रहे।

विपक्ष शासित राज्यों का रुख

आज अगर कांग्रेस सहित कुछ अन्य दल जीएसटी काउंसिल के इस निर्णय का विरोध कर रहे हैं तो यह देखना भी जरूरी है कि मंत्री समूह के सुझावों और जीएसटी काउंसिल की बैठक में उनकी सरकारों का पक्ष क्या था? सच्चाई यही है कि जीएसटी काउंसिल की 47वीं बैठक में मंत्री समूह द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर सभी राज्यों ने सर्वानुमति से नई दरों को लागू करने का निर्णय लिया। इसी के तहत कुछ पैकेटबंद खाद्य सामग्रियों पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगाया गया है। अगर यह निर्णय गलत है तो क्या राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने मंत्री समूह में अथवा जीएसटी काउंसिल की बैठक में इसपर असहमति जताई? जवाब है-नहीं। क्या तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने असहमति जताई? जवाब है-नहीं। क्या केरल की लेफ्ट सरकार ने इसपर जीएसटी काउंसिल की बैठक में असहमति जताई? जवाब है-नहीं। तो फिर इस निर्णय का विरोध कर रही कांग्रेस के विरोध का आधार क्या है? लगता तो यही है कि वह सिर्फ विरोध के लिए विरोध कर रही है।

इसी मसले से जुड़ा एक और तथ्य समझना आवश्यक है। ऐसा जाहिर करने का प्रयास हो रहा है कि जिन वस्तुओं पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगाया गया है, उनपर अब से पहले कभी टैक्स नहीं लगा था। यह कहना पूरी तरह से भ्रामक है। जीएसटी जुलाई 2017 में

एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर जीएसटी काउंसिल को इन वस्तुओं पर टैक्स क्यों लगाना पड़ा? दरअसल राज्य के लिए कर संग्रहण उसी तरह अनिवार्य है, जैसे मानव शरीर के लिए सांसों का चलते रहना। तर्कसंगत कर प्रणाली की आलोचना करने वाली नीतियां राज्य की शक्ति को कमजोर करती हैं। महाभारत के शांति पर्व में भीष्म कहते हैं-'राजा को अपने कोषागार के प्रति सचेत रहना चाहिए।'

लागू हुआ। तबसे लेकर अभी तक इन चुनिंदा वस्तुओं पर कोई टैक्स नहीं लगा था, लेकिन जीएसटी के अस्तित्व में आने से पहले खाने-पीने से जुड़ी वस्तुओं की एक लंबी सूची है जिनपर वैट जैसे टैक्स लगते थे। कई वस्तुओं पर तो पांच प्रतिशत से ज्यादा टैक्स लोगों को देना पड़ता था। मसलन जीएसटी लागू होने से पहले भी मिल्क पाउडर, चाय, शहद, सोयाबीन तेल, सब्जी बनाने में उपयोग होने वाले खाद्य तेल, चीनी आदि पर छह प्रतिशत टैक्स लगता था। कुछ वस्तुएं तो ऐसी भी थीं जिनपर 12 प्रतिशत तक टैक्स लोगों को देना पड़ता था। जीएसटी की दरों में वर्तमान में हुए बदलावों के बावजूद भी इनमें से कई वस्तुओं पर टैक्स पहले की तुलना में कम देना पड़ेगा। अतः कांग्रेस सहित अन्य दलों का विरोध तर्कों की कसौटी पर कमजोर नजर आता है।

टैक्स लगाने की जरूरत

एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर जीएसटी काउंसिल को इन वस्तुओं पर टैक्स क्यों लगाना पड़ा? दरअसल राज्य के लिए कर संग्रहण उसी तरह अनिवार्य है, जैसे मानव शरीर के लिए सांसों का चलते रहना। तर्कसंगत कर प्रणाली की आलोचना करने वाली नीतियां राज्य की शक्ति को कमजोर करती हैं। महाभारत के शांति पर्व में भीष्म कहते हैं-'राजा को अपने कोषागार के प्रति सचेत रहना चाहिए।' यही राज्य के साथ न्याय है। कोविड संकट आने के बाद पिछले लगभग दो-ढाई साल तक देश में अप्रत्यक्ष करों में किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ था। राज्यों द्वारा इसका हवाला देकर राजस्व में कमी की बातें जीएसटी काउंसिल की बैठकों में लगातार की जाती रहीं। कर में छूट से हो रहे घाटे को वहन करने में राज्य अपनी अक्षमता जता रहे थे। उनकी चिंता स्वाभाविक भी थी। चूंकि जीएसटी लागू होने से पहले इन्हीं वस्तुओं पर राज्यों को कर अंश मिलता था, जो जीएसटी लागू होने के बाद बंद हो गया। लिहाजा उनकी मांग आनी ही थी। उसी मांग के तहत गहन चर्चा और विमर्श के बाद जीएसटी काउंसिल ने मंत्री समूह के सुझावों के आधार पर टैक्स में ये बदलाव किए हैं। अतः इसको लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर ठीकरा फोड़ना समझ से परे है। अगर यह निर्णय गलत है तो इस गलती के लिए कांग्रेस सहित सभी दल जिम्मेदार हैं और अगर सही है तो उसके श्रेय के साझीदार भी सभी दल हैं।

इस मसले पर विरोध का झंडा उठाकर घूम रहे कांग्रेस सहित अन्य दलों को यह भी समझना होगा कि कर व्यवस्था देश के आर्थिक ढांचे के लिए है, न कि किसी दल के राजनीतिक हितों की पूर्ति करने के लिए। अतः ऐसे मसलों पर देश सभी राजनीतिक दलों से गंभीरता की अपेक्षा रखता है। कम से कम अपने नीतिगत रुख को तो कांग्रेस सहित अन्य दलों को स्पष्ट रखना ही चाहिए। एक ही विषय पर दो मत होना विपक्ष की नीतिगत सोच पर सवाल खड़े करता है। इससे विपक्ष के प्रति लोगों के विश्वास में गिरावट ही आएगी।

राजनीतिक दलों के समर्थन और विरोध का आधार उनके नीतिगत विषयों पर केंद्रित होता है। नीतिगत विषयों के आधार पर ही सहमति और असहमति के बिंदु तय होते हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी देश में नीतिविहीन राजनीति की नई परिपाटी शुरू कर चुकी है। आज कांग्रेस का राजनीतिक स्टैंड उसकी राजस्थान सरकार की नीतियों के विरोध में खड़ा नजर आ रहा है। यह दिशाहीन, नीतिविहीन और अनिर्णय की राजनीति न तो देशहित में है और न ही विपक्षी दल के रूप में कांग्रेस के ही हित में है।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कभी जवाहर लाल नेहरू के लिए कहा था, 'आप में चर्चिल भी है और चेंबरलेन भी।' वाजपेयी तब शायद नेहरू के व्यक्तित्व के मिश्रित आचरण का उल्लेख कर रहे थे। किंतु वर्तमान की कांग्रेस के नेताओं के व्यक्तित्व और बयानों में विरोधाभासों की अधिकता है। कांग्रेस का नीतिगत रुख उसके राजनीतिक रुख से अलग दिखाई देता है। दोनों एक-दूसरे के विरोध में खड़ा नजर आते हैं। जीएसटी की दरों में बदलाव पर कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी ने ट्वीट के जरिये उन सामग्रियों की सूची साझा कर इसे 'हाई टैक्स' बताया। इसका सारा ठीकरा उन्होंने भाजपा के सिर पर फोड़ दिया। रोचक यह है कि राहुल गांधी के इस ट्वीट को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बिना देर किए री-ट्वीट कर दिया। जबकि इन वस्तुओं पर टैक्स संबंधी विचार के लिए विशेष रूप से बनाए गए मंत्री समूह में राजस्थान सरकार के प्रतिनिधि भी शामिल थे। राजस्थान सरकार ने इसपर सहमति भी दी। फिर सवाल उठता है कि यह दोहरा चरित्र क्यों?

जब जनता से कर वसूलना हो तो कांग्रेस पार्टी का पक्ष अलग नजर आता है और जब राजनीति करनी हो तो उसका पक्ष बिल्कुल उल्टा हो जाता है। कथनी और करनी में भेद की इससे बड़ी मिसाल हाल की राजनीति में खोजना मुश्किल है। ऐसे में बड़ा सवाल उठता है कि क्या कांग्रेस पार्टी में नीति और राजनीति का परस्पर कोई संबंध नहीं बचा? क्या कांग्रेस की राजनीति का नीतियों से कोई लेना-देना नहीं है? महंगाई को लेकर राहुल गांधी इन दिनों काफी मुखर हैं। जीएसटी से अलग अगर एक उदाहरण देखें तो पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल को लेकर भी खूब राजनीतिक बयानबाजी होती है। राहुल गांधी इस मुद्दे पर मोदी सरकार को ऐसे घेरते हैं मानो पेट्रोल-डीजल की कीमतों को बढ़ाने-घटाने का सर्वाधिकार केंद्र सरकार का ही हो! जबकि इस मामले में भी सही तथ्य इसके उलट है। पिछले साल नवंबर में केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाया था और राज्यों से भी वैट कम करने का अनुरोध किया था। जिन राज्यों ने वैट में कमी की वहां पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट आई, किंतु छत्तीसगढ़, राजस्थान, बंगाल, केरल, झारखंड जैसे कई राज्यों ने वैट कम नहीं किया। परिणामस्वरूप वहां ईंधन की कीमतें अन्य राज्यों की तुलना में अधिक रहीं।

कहने का आशय यह है कि अगर राहुल गांधी वाकई महंगाई कम करने को राजस्व अर्जित करने की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं तो वह भी कांग्रेस शासित राज्यों को वैट में कमी करने की अपील किए होते, लेकिन उन्होंने ऐसा कभी नहीं कहा कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ या झारखंड सरकारों को भी वैट कम करना चाहिए। इससे जाहिर होता है कि उनकी नीति और राजनीति में भारी विरोधाभास है। उनके सोचने और करने में भारी फर्क है। ●●●

(सीनियर फेलो, डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन)

छत्तीसगढ़ में निर्भय होकर दुष्कर्म, भूपेश यही बदलाव लाये हैं: विष्णुदेव

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने जांजगीर जिले में अकलतरा इलाके में निर्भया कांड की तर्ज पर दुष्कर्म और हत्या की वारदात पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 'वक्त है बदलाव का' नारा लगाने वाले भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में यही बदलाव किया है। निर्भय होकर पूरे प्रदेश में बलात्कार, हत्या, लूट, चोरी डकैती। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का सारा ध्यान अपने दिल्ली दरबार की चापलूसी और बदलापुर की राजनीति में लगा रहता है। वे अपने चहेते अफसरों और वसूली एजेंटों के लिए तो इतने फिक्रमंद हैं कि उनके भ्रष्टाचार उजागर न हों, इसके लिए आईटी, ईडी और सीबीआई का विरोध करते हैं, चहेती अफसर को बचाने के लिए अभेद्य सुरक्षा कवच का इंतजाम करना अपना परम कर्तव्य समझते हैं और दूसरी तरफ महिलाओं की अस्मत लूट रही है, हत्या की जा रही है, फूल सी बच्चियों के साथ बलात्कार हो रहा है। मातृशक्ति न बाहर सुरक्षित है और न ही अपने घर में सुरक्षित है। घर में घुसकर बलात्कार और नृशंस हत्या हो रही है। छत्तीसगढ़ में अपराधी नंगा नाच कर रहे हैं। राज्य अपराधगढ़ में तब्दील हो गया है। कानून व्यवस्था दम तोड़ चुकी है। इस तरफ देखने की फुर्सत भूपेश बघेल को नही है। मुख्यमंत्री राजनीतिक विरोधियों को प्रताड़ित करने की फिराक में रहते हैं। इन दिनों उनकी राजनीतिक उदयपुर में हुई हत्या के विरोध को कुचलने की कोशिशों पर केंद्रित है। लेकिन उनका जो मूल काम है, वह न वे कर रहे और न अपने गृह मंत्री को करने दे रहे। राज्य में कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी सरकार की है लेकिन इस सरकार ने कानून व्यवस्था को खूंटी पर टांग दिया है। अपराधी तत्वों पर कानून का जरा सा भी भय नहीं रह गया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने कहा कि जिस दिन से छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनी है, उसी दिन से अराजक तत्वों का बोलबाला बढ़ गया है। हद तो यह है कि सरकारी अफसर तक दुष्कर्म के आरोपी के तौर पर सामने आ रहे हैं। जिस प्रदेश का मुखिया भ्रष्टाचार के संरक्षण और भ्रष्टाचारियों को बचाने में लगा रहता हो, उस प्रदेश को कौन बचा सकता है। इस सरकार में माताएं, बहनें और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं।

जशपुर अपराध के मामले में अपराधपुर बन चुका है: गोमती साय

सांसद गोमती साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का शांत इलाका जशपुर अब अपराधपुर बन गया है। जिस तरह से एक ही दिन में पांच बेटियों के साथ अनाचार के मामले सामने आया है वह बेहद ही दुखद व चिंताजनक है। आखिरकार इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है और पुलिस की कार्यवाही कहीं भी न्यायसंगत नहीं दिखती है। यही कारण है कि कांसाबेल थाना क्षेत्र में सामूहिक अनाचार के एक मामले में आरोपी द्वारा दबाव डालकर पीड़िता को इस मामले में कुछ न बताने के लिए एक लाख रुपए देने की सौदेबाजी किया था और इसके एवज में दस हजार रुपए भुगतान भी कर दिया गया। इस पूरे मामले को लेकर एक इकरारनामा भी आरोपियों द्वारा तैयार किया गया है जिसमें स्थानीय स्तर पर कुछ लोगों के हस्ताक्षर भी है। इसके साथ ही कुनकुरी थाना क्षेत्र में एक शिक्षक द्वारा अनाचार का एक मामला सामने आया है जिसमें पीड़िता गर्भवती बताई जा रही है। इसी तरह अनाचार के तीन और मामले भी सामने आया है। जो बेहद दुखद और चिंताजनक है। तपकरा थाना क्षेत्र में एक सात वर्षीय बच्ची के साथ अनाचार का मामला सामने आया है तो वहीं कोतबा चौकी में अनाचार का एक मामला भी सामना आया है जिसमें पीड़िता को मध्यप्रदेश में बेचने की कोशिश भी की गई है। वहीं कुनकुरी क्षेत्र में अन्य मामला सामने आया है।

भाजपा प्रवक्ता एवं पूर्व मंत्री श्री अजय चंद्राकर के नेतृत्व में लगभग तीन हजार कार्यकर्ताओं ने अघोषित बिजली कटौती, किसानों को ज़बरदस्ती गोबर खाद ख़रीदने, खाद-बीज की क़िल्लत, शराब बंदी के साथ छलावा, स्थाई पंप कनेक्शन बंदी हालत एवं राज्य के कांग्रेस सरकार के द्वारा जनघोषणा पत्र में किये गये वादों को याद दिलाने भूपेश सरकार के खिलाफ जंगी प्रदर्शन कर गिरफ्तारी दी।

स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव पर केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री विश्वेश्वर टुडू का बस्तर प्रवास। इस दौरान श्री टुडू ने मालगांव निवासी भतरा समाज के ग्रामीण श्री भोलाराम नाग के घर पर भोजन किया व परिवार जन से मुलाकात की।

प्रदेश में संवैधानिक संकट, कैबिनेट का विश्वास खो चुके हैं मुख्यमंत्री बघेल

प्रदेश भाजपाध्यक्ष श्री विष्णुदेव साय जी की प्रेस वार्ता के बिंदु

अब तक भाजपा जब आरोप लगाती थी तो कांग्रेस उसे विपक्ष के द्वारा बेवजह लगाए गए आरोप बताती रही। कांग्रेस सरकार के दिग्गज मंत्री, राज्य सरकार में नंबर 2 का स्थान रखने वाले, मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार श्री टीएस सिंहदेव जी ने जो बातें अपनी चिट्ठी में लिखी है, उसका एक-एक शब्द प्रदेश की जनता के साथ हुए भयंकर षडयंत्र और धोखे को बयां कर रहा है। भाजपा लगातार यह सवाल उठाती भी रही है।

अगर इस पत्र पर ही भरोसा करें तो भी प्रधानमंत्री आवास के 8 लाख परिवारों यानी लगभग 40 लाख लोगों से राज्य सरकार ने छत छीनने का काम किया। हालांकि यह आँकड़ा अब 16 लाख आवास तक पहुंच गया है। कुल 80 लाख लोगों को बेघर करने का पाप भूपेश सरकार ने किया है। यह आपराधिक कृत्य है। लोग एक घर बनाने में टूट जाते हैं, इन्होंने तो बस्तियाँ उजाड़ दी, बसने नहीं दी।

केंद्र से इतनी बड़ी मदद मिलने के बाद भी राज्य की कांग्रेस सरकार ने अपने हिस्से की राशि न देकर प्रदेश के गरीबों के साथ यह सबसे बड़ा अत्याचार किया है।

कांग्रेस के खुद के घोषणा पत्र में ग्रामीण इलाको में रह रहे लोगो को आवास देने की बात प्रमुखता से है न राज्य सरकार में केंद्र के आवास जनता तक पहुंचने दिए न खुद उन्होंने कोई आवास गरीबों को दिया।

गरीबों को बेघर रखने को साजिश करने वाले यह सरकार किस आधार पर अब तक बनी हुई है।

प्रदेश में रोजगार के बड़े बड़े झूठे दावे पेश करने वाली सरकार ने मनरेगा में काम करने वाले साथियों से साजिशन हड़ताल करवाई है व उनके हक का 1250 करोड़ खाने का काम किया है।

दुनिया में ऐसे कौन सी सरकार है जो अपने ही प्रदेश के लोगों के साथ साजिश रचती है ऐसे साजिश रचने वाले मुख्यमंत्री किस आधार पर पद पर बने हुए है?

पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकारों को लागू करने के लिए पंचायत विभाग के मंत्री के बार बार आपको कहा फिर भी आपने पंचायत व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किया जो सविधान द्वारा जनता के हित के लिए बनाई गई सर्वोत्तम व्यवस्थाओं में एक है।

सही लोगों को काम से निकालकर अनुचित कार्य करने वालो लोगो को काम पे रखा गया किसलिए ताकि वो भ्रष्टाचार में आपका साथ दे?

आप ही के वरिष्ठ मंत्री द्वारा लिखी गई चिट्ठी का एक-एक शब्द जनता को एक बाण की चुभ रहा है। आपने जनता के साथ एक बड़ा धोखा कर दिया है अब आपकी पूरी राज्य सरकार को बर्खास्त हो जाना चाहिए ऐसी धोखेबाज सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नही है।

देश में कभी भी ऐसा नहीं हुआ जब नौकरशाही को चुने हुए प्रतिनिधि से ऊपर रखा गया हो। प्रदेश कैबिनेट से ऊपर मुख्य सचिव को रख देना, एक तरह से संविधान की, लोकतंत्र की हत्या है। निजी खुन्नस में सीएम बघेल ने लोक लाज, लोकतांत्रिक मर्यादा सबको ताक पर रख दिया। ऐसे अभद्र और असंसदीय आचरण के लिए प्रायश्चित करना चाहिए बघेल जी को। मुख्यमंत्री पद तो छोड़िये, भूपेश जी वास्तव में राजनीति के लायक़ ही नहीं हैं।

प्रेस वार्ता में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय, विधायक शिवरतन शर्मा, रजनीश सिंह, भाजपा प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव, नरेश गुप्ता, भाजपा मीडिया प्रभारी नलिनीश ठोकने, अमित चिमनानी मौजूद रहे।

कांग्रेस की सरकार में हर तरफ फैला नशे का कारोबार: दीप्ति रावत भारद्वाज

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महासचिव दीप्ति रावत भारद्वाज ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों का राज्य है। इसे शांति के द्वीप के रूप में जाना जाता है। लेकिन जिस तरह से छत्तीसगढ़ में महिला असुरक्षित है और प्रदेश अशांत हो गया है इसके लिए प्रदेश की कांग्रेस सरकार जिम्मेदार है। कथित तौर पर महिला सुरक्षा की बात करने वाली प्रियंका गांधी का पता नहीं कि जांजगीर की घटना पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से अब तक जवाब क्यों नहीं मांगा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदेश में सत्ता के नशे में चूर है, हर तरह अवैध नशे का कारोबार फैला हुआ है। जिसके कारण ही महिलाएं प्रदेश में सुरक्षित नहीं है और अपराध की घटनाएं प्रदेश में लगातार बढ़ती ही जा रही है। जिस तरह से जांजगीर में निर्भया कांड हुआ है उस पर कांग्रेस की पूरी सरकार पर्दा डालने का काम कर रही है। इससे दुखद क्या हो सकता है कि एक निगरानीशुदा बदमाश जघन्य अपराध की घटना को अंजाम देता है और उसके बाद भी पुलिस को इसकी खबर नहीं होती। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने स्वयं ही स्वीकारा है कि इन 37 महिनों में 5153 अनाचार के मामले दर्ज किए गए हैं। हर पांच घंटे में एक महिला अनाचार की शिकार हुई है यह बेहद ही दुर्भाग्यजनक है।

महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती रावत ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती दीप्ति रावत भाजद्वाज ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार महिला सुरक्षा के नाम पर कुछ भी नहीं कर रही है। प्रदेश की महिलाएं असुरक्षित है उनकी सुरक्षा के लिए कांग्रेस की सरकार को ठोस कदम उठाना चाहिए। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती दीप्ति रावत भाजद्वाज एक दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर आयी थीं वे जांजगीर में आयोजित निर्भया कांड के विरोध में प्रदर्शन में शामिल हुई।

जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा की महिला के साथ बलात्कार कर बड़ी बेरहमी पूर्वक हत्या किये जाने के विरोध में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौक पुराना बस स्टैण्ड से मानसरोवर चौक बिलासपुर तक भाजपा, युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा द्वारा कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धाजंलि दी गई। सांसद अरूण साव, भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेन्द्र सवन्नी, विधायक रजनीश सिंह जिलाध्यक्ष रामदेव कुमावत समेत बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अपने खिलाफ उठ रहे आवाज को सहन नहीं कर पा रही है प्रदेश की कांग्रेस सरकार : अनुराग सिंहदेव

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सत्ता में आने से पहले प्रदेश की जनता से कई वादे किए थे लेकिन सत्ता में आते ही सत्ता सुख का आनंद लेने मैं मस्त प्रदेश की कांग्रेस सरकार उन वादों को पूरी तरह भूल चुकी है। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा द्वारा जब रोजगार एवं नौकरी की मांग को लेकर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। उत्तर प्रदेश की कांग्रेस सरकार के द्वारा अपना तानाशाही रवैया अपनाते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को गैर जमानती धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध करना प्रदेश सरकार की तानाशाही रवैया को दिखाता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बातें रखने का अधिकार है लेकिन प्रदेश की कांग्रेस सरकार प्रदेश की जनता से उनके अधिकारों को ही छीन रही है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा अपनी मांगों को लेकर जब एसडीएम कार्यालय का घेराव किया गया तो उन कार्यकर्ताओं के विरुद्ध प्रशासन द्वारा थाने में लिखित शिकायत की जिसने भाजयुमो के कार्यकर्ताओं को के खिलाफ गैर जमानती धारा पंजीबद्ध कर उनके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया।

मानसून सत्र में उठाए जाने वाले विषयों, शासन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव एवं प्रदेश से संबंधित तमाम विषयों पर चर्चा के लिए भाजपा विधायक दल की बैठक आयोजित की गई।

रासायनिक खाद के कृत्रिम संकट को दूर करे सरकार : द्विवेदी

भारतीय जनता पार्टी सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शशि कांत द्विवेदी ने सहकारी समितियों में रासायनिक उर्वरकों की कमी पर किसानों को हो रही परेशानी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा रासायनिक उर्वरकों का लक्ष्य के अनुरूप आवंटन दिया गया है लेकिन राज्य सरकार द्वारा रासायनिक उर्वरकों का सहकारी सोसायटियों का आवंटन कम कर दिया गया और निजी विक्रेताओं को लाभ पहुंचाने की नीयत से ज्यादा आबंटन दे दिया गया। किसानों को सोसाइटी में खाद नहीं मिलने के कारण निजी विक्रेताओं से ज्यादा कीमत पर रासायनिक उर्वरक लेने के लिए मजबूर कर दिया गया। श्री द्विवेदी ने आंकड़ों सहित बताया कि रासायनिक उर्वरक का लक्ष्य इस वर्ष सहकारी संस्थाओं का 855000 मी. टन एवं निजी विक्रेताओं के लिए 515000 मी.टन है। इस प्रकार कुल13लाख 70हजार मी.टन लक्ष्य है। सहकारी संस्थाओं और निजी विक्रेताओं का पूर्व के वर्षों में आवंटन 70% और 30% अनुपात रहता था किंतु इस वर्ष सहकारी संस्थाओं का लक्ष्य 62% और निजी विक्रेताओं का 38% कर दिया गया है। यदि खाद की कमी थी तो निजी विक्रेताओं का अनुपात क्यों बढ़ाया गया। श्री द्विवेदी ने बताया कि सहकारी संस्थाओं में 20 जुलाई2022 तक 582861 टन का भंडारण हुआ है और निजी विक्रेताओं को 520139 मि0 टन इस प्रकार कुल 11 लाख तीन हजार मैट्रिक टन रासायनिक उर्वरक का भंडारण हुआ है। जिसमें सह कारी संस्थाओं को लक्ष्य का मात्र 53% आवंटन हुआ और निजी विक्रेताओं को लाभ दिलाने के लिए 47% का आवंटन हुआ है। जो सरासर गलत है। श्री द्विवेदी ने आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि प्रदेश के लगभग शत-प्रतिशत किसान सहकारी संस्थाओं से जुड़े हैं, खाद लेते रहते हैं। लेकिन राज्य सरकार निजी विक्रेताओं से मिलीभगत कर उन्हें लक्ष्य को 38% कर दिया लेकिन आवंटन अभी तक की स्थिति के हिसाब से सहकारी संस्थाओं को मात्र 53 % का आवंटन दिया गया और निजी विक्रेताओं को 47 परसेंट का आवंटन किया गया है जो किसानों के साथ धोखा है। इस प्रकार राज्य सरकार निजी विक्रेताओं को लाभ पहुंचाने की नीयत से काम कर रही है और किसान खाद के लिए दर-दर भटक रहा है।

प्रदेश में बढ़ रहा अपराध, क्या यही है भूपेश का विकासः शालिनी राजपूत

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने प्रदेश में बढ़ते अपराध एवं अनाचार के मामले को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से सवाल करते हुए कहा कि क्या यही है भूपेश का विकास? क्या यही है छत्तीसगढ़ मॉडल? प्रदेश में लगातार होती है अनाचार की घटनाओं को ना तो पुलिस प्रशासन रोक पा रहा है और ना ही प्रदेश सरकार इस पर रोक लगाने हेतु कोई ठोस पहल कर रहा है। प्रदेश में लगातार आपराधिक घटनाएं घटित हो रही है और प्रदेश के मुख्यमंत्री सहित उनके आला नेता बेखबर होकर बैठे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जांजगीर की एक 13 वर्षीय नाबालिग पिछले 15 दिनों से लापता थी, जिसकी पतासाजी करने वाले पुलिस के कार्य प्रणाली पर भी सवाल उठता है कि पिछले 15 दिनों से लापता नाबालिग की पतासाजी पुलिस आखिर क्यों नहीं कर पाई? क्या पुलिस प्रशासन अपराधियों से भयभीत हैं? भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने कहा कि जब से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आई है सबसे प्रदेश में आपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ती ही जा रही है।

वैक्सीन की बर्बादी

बूस्टर डोज को लेकर जरा भी संवेदनशील नहीं है कांग्रेस सरकारः कौशिक

नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा है कि केंद्र सरकार ने सभी को कोरोना से बचाव के लिए मुफ्त बूस्टर डोज की अनुमति दे दी है और छत्तीसगढ़ राज्य में अभी 20 लाख डोज ऐसी स्थिति में हैं, जिनका उपयोग नहीं किया गया तो वे बर्बाद हो जायेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार अभी सो रही है। जब ये वैक्सीन बर्बाद हो जायेगी तब भूपेश बघेल जागेंगे और वैक्सीन की कमी का रोना रोते हुए कहेंगे कि छत्तीसगढ़ को वैक्सीन नहीं दे रहे, भेदभाव कर रहे हैं, केंद्र सरकार को छत्तीसगढ़ की चिंता नहीं है, और भी जाने क्या क्या बोलेंगे। नेता प्रतिपक्ष कौशिक ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार वैक्सिनेशन के मामले में शुरू से राजनीति करती रही है। आरम्भ में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव अपने मुखिया की मंशा के मुताबिक वैक्सीन पर भ्रम फैला रहे थे। जिन्हें राज्य की जनता के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए वैक्सिनेशन पर गंभीरता दिखानी चाहिए थी, वे अपना पहला दायित्व दरकिनार कर राजनीतिक एजेंडे पर चल रहे थे। उन्होंने ने कहा कि इसी तरह मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी वैक्सीन पर खूब राजनीति की। केंद्र सरकार जब छत्तीसगढ़ की जनता के हित में मदद करती है तो कांग्रेस की राज्य सरकार अड़ंगेबाजी करती है और बाद में वह केंद्र पर मिथ्या आरोप लगाती है। गरीबों के आवास के मामले से लेकर वैक्सिनेशन तक हर मामले में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की जनता का अहित कर रही है।

छपते- छपते...

राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री संबित पात्रा ने रायपुर प्रवास के दौरान 'हर घर तिरंगा अभियान' को लेकर विधायक दल और प्रदेश-जिला टोली के साथ बैठक की।

श्री अजय जामवाल छत्तीसगढ़-मध्य प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नियुक्त किए गए हैं। श्री जामवाल का केंद्र रायपुर होगा।

निवेदन

दीप कमल से संबंधित कोई भी सुझाव या शिकायत हो तो आप नीचे दिए गए पते पर भेज सकते हैं या Watsapp कर सकते हैं. फोन से भी जानकारी दे सकते हैं। ईमेल भी कर सकते हैं. इसके अलावा आपके क्षेत्र में संगठन से संबंधित कोई गतिविधि या पत्रिका में प्रकाशन योग्य कोई समाचार हो, तो उसे भी निम्नलिखित माध्यमों से भेजने का आग्रह है।

कार्यकारी संपादक, दीप कमल, प्रदेश भाजपा कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर
डूमरतराई, रायपुर. (छग), फोन : 0771-2233500, Watsaapp 9425507006, E mail – jay7feb@gmail.com

भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश जी प्रदेश महामंत्री की बैठक, सोशल मीडिया, सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ, प्रशिक्षण वर्ग,आंदोलनात्मक टोली व मोर्चा जनजाति समाज के पदाधिकारियों को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। वे राष्ट्रपति चुनाव को लेकर विधायक दल की चुनाव मॉकड्रील में भी शामिल हुए।

नया भारत
असली स्तंभ
प्रभावशाली शेर